मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

उत्तरशक्ति

हिन्दी दैनिक

मुंबई
वर्ष: 8 अंक 116
शुक्रवार, 07 नवम्बर 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

बिहार में टूटा अब तक का रिकॉर्ड, पहली बार 64.66% मतदान

शांतिपूर्ण रहा मतदान, सुरक्षा व्यवस्था रही सख्त

पटना, 06 नवम्बर। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के पहले चरण में मतदाताओं ने इतिहास रच दिया है। राज्य में इस बार रिकॉर्ड 64.66 प्रतिशत मतदान हुआ है, जो अब तक का सबसे ऊंचा आंकड़ा है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी विनोद सिंह गुंजियाल के अनुसार, इससे पहले साल 2000 में बिहार विधानसभा चुनाव में 62.57% वोटिंग हुई थी, जो अब तक का रिकॉर्ड था। वहीं, लोकसभा चुनावों की बात करें तो 1998 में 64.6% मतदान हुआ था। इस बार इन सभी आंकड़ों को पार करते हुए लोगों ने लोकतंत्र के इस पर्व में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया है।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि पहले चरण का मतदान पूरी तरह शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित रहा। एडीजी मुख्यालय कुंदन कृष्णन ने बताया कि पूरे चुनाव के दौरान सुरक्षा बलों ने बेहतरीन व्यवस्था संभाली और कुल 1415 लोगों को एहतियातन हिरासत में लिया गया।

इस बार महिलाओं ने मतदान में जबरदस्त उत्साह दिखाया। आयोग ने बताया कि महिलाओं की भागीदारी पुरुषों से अधिक रही। पर्दानशीं (बुर्का पहनी) महिलाओं की पहचान के लिए 90,000 जीविका दीदियों को तैनात किया गया था। हर बूथ पर सेंट्रल फोर्स के जवान और स्थानीय पुलिस मौजूद रहे।

चुनाव आयोग के मुताबिक, इस बार तकनीकी गड़बड़ियां बेहद कम रहीं। पहले चरण में केवल 1.21 प्रतिशत बैलेट यूनिट्स बदली गईं, जबकि 2020 में यह आंकड़ा 1.87 प्रतिशत था। मतदान के दौरान 165 बैलेट यूनिट, 169 कंट्रोल यूनिट और 480 वीवीपैट बदले गए।

पहले चरण के मतदान के दौरान आयोग को कुल 143 शिकायतें मिलीं, जिनका तुरंत समाधान किया गया। कुछ इलाकों जैसे फतुहा, ब्रह्मपुर और सूर्यगढ़ा में ग्रामीणों ने मतदान का बहिष्कार किया। इसके बावजूद ज्यादातर इलाकों में मतदान पूरी तरह सफल रहा।

पहले चरण के मतदान के बाद अब चुनाव का अगला चरण 11 नवंबर 2025 को होगा। इसमें 122 सीटों पर वोटिंग होगी। दोनों चरणों की मतगणना 14 नवंबर को होगी और उसी दिन परिणाम जारी किए जाएंगे।

बस और टैंकर की टक्कर में 4 लोगों की दर्दनाक मौत, 21 अन्य घायल

हाथरस, 06 नवम्बर। हाथरस जिले के सासनी कोतवाली क्षेत्र में अलीगढ़-आगरा राजमार्ग पर गांव समामई के नजदीक बृहस्पतिवार की शाम एक रोडवेज बस और टैंकर की आमने-सामने हुई टक्कर में चार लोगों की मौत हो गई और करीब 21 लोग घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि 21 घायलों में चार वर्षीय बच्चे से लेकर 55 वर्षीय व्यक्ति शामिल हैं, जिनमें से 12 लोगों को जिला अस्पताल लाया गया जहां से प्राथमिक उपचार देने के बाद चार घायलों को रेफर किया गया है।

पुलिस के अनुसार, मृतकों की पहचान कुलदीप (11) निवासी गांव तिलोठी थाना कोतवाली सासनी, महाराज सिंह (45) निवासी इगलास अड्डा हाथरस, अर्जुन (32) निवासी एटा और सोनू (52) निवासी हरीनगर, सासनी के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि आज शाम एक रोडवेज बस अलीगढ़ से हाथरस की तरफ आ रही थी, वही एक टैंकर हाथरस से अलीगढ़ की तरफ जा रहा था। गांव समामई के पास बस चालक द्वारा एक मोटरसाइकिल सवार को बचाने के चक्कर में उसकी टैंकर से आमने-सामने की टक्कर हो गई।

उसने बताया कि मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को सासनी के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और जिला बागला अस्पताल पहुंचाया। हादसे की जानकारी मिलने पर अधिकारी मौके पर और जिला अस्पताल पहुंचे। जिलाधिकारी अतुल वत्स और पुलिस अधीक्षक चिरंजीव नाथ सिन्हा जिला अस्पताल पहुंचे जहां उन्होंने घायलों का हालचाल लिया। वत्स ने बताया कि हादसे में चार लोगों की मौत की पुष्टि हुई है।

स्टालिन ने हरियाणा में वोट चोरी के आरोपों पर राहुल गांधी का समर्थन किया

तमिलनाडु, 06 नवम्बर। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने बुधवार को कहा कि हरियाणा में वोट चोरी को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा पेश किये गये सबूत चौंकाने वाले हैं। उन्होंने दावा किया कि जनता के लोकतांत्रिक फैसले को चुराकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) बेनकाब हो गयी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि एक बार फिर भाजपा की चुनावी जीत की सत्यता पर बड़ा संदेह पैदा हो गया है और हरियाणा में वोट चोरी के संबंध में गांधी द्वारा पेश किए गए पुख्ता सबूत चौंकाने वाले हैं।

स्टालिन ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, भाजपा 2014 में नफरत भड़काकर और झूठे वादे करके सत्ता में आई थी। अब सभी चुनावी कदाचारों को पार करते हुए, उन्होंने मतदाता सूची को भी नहीं छोड़ा और लोगों के लोकतांत्रिक फैसले को चुरा लिया। भाजपा आज बेनकाब हो गई है।

उन्होंने कहा, इस चोरी का अगला चरण विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की आड़ में लोगों के मताधिकार को छीनने की साजिश है, और बिहार तथा आज हरियाणा पर जारी सबूत इसका प्रमाण हैं!

स्टालिन ने कहा कि यह दुखद है कि अनगिनत आरोपों और ढेर सारे सबूतों के बावजूद निर्वाचन आयोग ने कोई उचित स्पष्टीकरण नहीं दिया है। उन्होंने कहा, क्या निर्वाचन आयोग, जो जनता के टैक्स के पैसे से काम करता है, जनता के मंच पर उचित जवाब देगा और यह विश्वास पैदा करेगा कि भारत में लोकतंत्र पूरी तरह से कमजोर नहीं हुआ है? कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने दावा किया है कि पिछले साल हुए हरियाणा विधानसभा चुनाव में 25 लाख फर्जी मतों के जरिये चुनाव चोरी किया गया। उन्होंने यह आरोप भी लगाया कि निर्वाचन आयोग ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ सांठगांठ करके वोट चोरी करवाई।

पीएम मोदी के आगमन से पहले वाराणसी में सुरक्षा कड़ी

पुलिस आयुक्त ने दी ब्रीफिंग, त्रिस्तरीय सुरक्षा घेरा, रूट डायवर्जन एवं नो-फ्लाई जोन लागू

सुरेश गांधी

वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आगमन, भ्रमण एवं अवस्थान कार्यक्रम को लेकर कमिश्नरेट प्रशासन पूरी तरह सतर्क मोड में है। पुलिस आयुक्त कमिश्नरेट मोहित अग्रवाल ने गुरुवार को ड्यूटी में लगाए गए समस्त पुलिस बल की ब्रीफिंग की और तत्पश्चात ग्रैंड रिहर्सल कराया। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि वीवीआईपी सुरक्षा प्रोटोकॉल का शत-प्रतिशत पालन हर हाल में सुनिश्चित हो। सभी पुलिसकर्मी ड्यूटी के दौरान ड्यूटी कार्ड एवं आई-कार्ड अनिवार्य रूप से धारण करें।

पुलिस आयुक्त ने बताया कि सुरक्षा के लिए त्रिस्तरीय सुरक्षा घेरा लागू किया गया है, जिसमें आंतरिक, मध्य एवं बाह्य सुरक्षा परत शामिल है। प्रत्येक स्तर पर तैनात पुलिस बल को अत्यधिक सतर्कता और समन्वय के साथ ड्यूटी करने के निर्देश दिए गए। वीवीआईपी मूवमेंट के दौरान सुगम यातायात व्यवस्था बनाए रखने हेतु रूट डायवर्जन लागू रहेगा। विशेष अतिथियों के लिए अस्थायी पार्किंग की व्यवस्था की गई है तथा यह निर्देश दिया गया है कि वीवीआईपी मार्ग पर किसी भी वाहन को खड़ा नहीं किया जाएगा।

कार्यक्रम स्थल एवं आसपास के क्षेत्र को नो-फ्लाई जोन घोषित किया गया है। ड्रोन व अन्य उड़ने वाली वस्तुओं के प्रयोग पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। कार्यक्रम स्थल में प्रवेश कड़ाई से चेकिंग-फ्रिस्किंग के बाद ही दिया जाएगा। भीड़ नियंत्रण के लिए रस्सों एवं लाउड हेलर/पीए सिस्टम के उपयोग पर जोर दिया गया है। सुरक्षा के दृष्टिगत रूफ टॉप ड्यूटी भी लगाई गई है, जबकि नियंत्रण कक्ष से सीसीटीवी कैमरों एवं ड्रोन कैमरे के माध्यम से लगातार निगरानी की जा रही है।

पुलिस आयुक्त ने निर्देश दिया कि सभी कर्मी समय से निर्धारित ड्यूटी पॉइंट पर उपस्थित रहें, अच्छा टर्न-आउट बनाए रखें और ड्यूटी के दौरान मोबाइल फोन का प्रयोग न करें। महिलाओं की जांच केवल महिला पुलिस कर्मियों द्वारा ही की जाएगी।

ब्रीफिंग के उपरांत ग्रैंड रिहर्सल में सभी अधिकारियों एवं कर्मियों ने अपने-अपने ड्यूटी पॉइंट्स पर पहुंचकर सुरक्षा प्रबंधों का अभ्यास किया और ड्यूटी के दौरान क्या करना है और क्या नहीं, इसकी विस्तार से जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर पुलिस महानिरीक्षक सुरक्षा तरुण गाबा, अपर पुलिस आयुक्त कानून-व्यवस्था एवं मुख्यालय शिवहरी मीणा, अपर पुलिस आयुक्त अपराध राजेश सिंह सहित कमिश्नरेट वाराणसी, बाह्य जनपदों, पीएसी एवं अर्धसैनिक बलों के कई अधिकारी एवं पुलिस कर्मी उपस्थित रहे।

जम्मू-कश्मीर में 'बड़ा आतंकी खतरा', खुफिया एजेंसियों का अलर्ट, लश्कर-जैश सक्रिय

पहलगाम, 06 नवम्बर। पहलगाम में पाकिस्तान समर्थित आतंकवादियों को बेअसर करने के लिए भारतीय सुरक्षा बलों द्वारा शुरू किए गए ऑपरेशन सिंदूर के छह महीने बाद, एक नई खुफिया रिपोर्ट ने जम्मू-कश्मीर में नए सिरे से आतंकी लामबंदी की चेतावनी दी है। रिपोर्ट में संकेत दिया गया है कि पाकिस्तान स्थित आतंकवादी समूह लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) और जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) केंद्र शासित प्रदेश में समन्वित हमलों की एक श्रृंखला की तैयारी कर रहे हैं। शीर्ष खुफिया सूत्रों के अनुसार, पाकिस्तान की इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) और उसका विशिष्ट विशेष सेवा समूह (एसएसजी) इस पुनर्गठन प्रयास का सक्रिय रूप से समर्थन कर रहे हैं, जो क्षेत्र में उग्रवादी नेटवर्क को पुनर्जीवित करने की एक सुनियोजित कोशिश का संकेत देता है। खुफिया एजेंसियों ने सितंबर से घुसपैठ के रास्तों पर ड्रोन गतिविधियों में उल्लेखनीय वृद्धि देखी है। रिपोर्ट में इन अभियानों का श्रेय लश्कर-ए-तैयबा की एक इकाई को दिया गया है, जिसकी कमान शमशेर नामक एक कुख्यात आतंकवादी के हाथ में है। इन ड्रोनों ने कथित तौर पर रणनीतिक पहाड़ियों और सुरक्षा चौकियों पर हवाई टोही की है, माना जा रहा है कि ये आत्मघाती हमलावरों के संभावित लैंडिंग जोन या संशोधित हथियार पेलोड का उपयोग करके संभावित हवाई हमलों की तलाश में हैं।पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में पाकिस्तान की बॉर्डर एक्शन टीम की नई गतिविधियों का पता चला है। इअळ में प्रशिक्षित आतंकवादी और सेवानिवृत्त ररञ्च कमांडो शामिल हैं, जिनका इस्तेमाल इस्लामाबाद लंबे समय से सीमा पार बड़े हमलों के लिए करता रहा है। सुरक्षा अधिकारियों ने आगाह किया है कि यह पुनतैर्नाती आने वाले महीनों में अचानक घुसपैठ की कोशिशों या सीमा पार घात लगाकर हमलों में वृद्धि का संकेत दे सकती है।

आर के मीडिया
हिन्दी दैनिक न्यूज पेपर, साप्ताहिक न्यूज पेपर, हिन्दी मासिक पत्रिका का पेज बनवाने के लिए
सम्पर्क करें: 9199355950

महाराष्ट्र के वर्धा जिले में ट्रक से टकराई कार, तीन लोगों की मौत

वर्धा। महाराष्ट्र के वर्धा जिले में एक कंटेनर ट्रक और कार के बीच हुई टक्कर में तीन लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह दुर्घटना मंगलवार रात करीब 11:30 बजे हिंगनघाट तहसील के अलीपुर गांव में हुई।

अधिकारी ने बताया कि धोत्रा फाटा के पास कंटेनर ट्रक ने चार लोगों को ले जा रही एक कार को टक्कर मार दी। कार में सवार तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि चालक जिंदा बच गया।

मृतकों की पहचान वैभव शिवंकर (25), गौरव गवाडे (27) और विशांत वैद्य (28) के रूप में हुई है।

अमीरी में अभिवृद्धि विद्रोह एवं संकट का बड़ा कारण

-ललित गर्ग

विश्व अर्थव्यवस्था पर किए गए हालिया अध्ययन विशेषकर जी-20 पैनल की रिपोर्ट ने एक बार फिर यह स्पष्ट कर दिया है कि धन और संपत्ति के वितरण में असमानता अब चरम पर पहुंच चुकी है। रिपोर्ट के अनुसार आज दुनिया की नई बनी संपत्तियों का लगभग तिरेसठ प्रतिशत हिस्सा मात्र एक प्रतिशत अमीर लोगों के पास है जबकि निचले पचास प्रतिशत गरीब लोगों के हिस्से में केवल एक प्रतिशत संपत्ति आई है। यह असमानता केवल आर्थिक नहीं बल्कि नैतिक, सामाजिक और मानवीय संकट का भी संकेत है। यह स्थिति एक आदर्श विश्व संरचना के लिये भी बड़ी बाधा है। यह ऐसी त्रासद, विद्रोहपूर्ण एवं विडम्बनापूर्ण स्थिति है जिसमें एक तरफ लोग मूलभूत सुविधाओं के अभाव में सड़कों पर उतर रहे हैं तो दूसरी ओर अमीर से और अमीर होते लोगों की विलासिता के किस्से तमाम हैं। उदारीकरण व वैश्वीकरण के दौर के बाद पूरी दुनिया में आर्थिक असमानता रूकने का नाम नहीं ले रही है, इससे एक बड़ी आबादी में विद्रोह एवं क्रांति के स्वर उभर रहे हैं।

सन् 2000 से 2024 के बीच विश्व अर्थव्यवस्था में अभूतपूर्व वृद्धि हुई, तकनीकी विकास हुआ, उत्पादन बढ़ा और वैश्वीकरण के नाम पर बाजारों का विस्तार हुआ, लेकिन इस विकास का लाभ समान रूप से नहीं बंटा। अमीर और अमीर होते गए, गरीब और गरीब। सन 2000 में जहां विश्व की कुल संपत्ति का पैंतालीस प्रतिशत हिस्सा शीर्ष एक प्रतिशत लोगों के पास था, वहीं 2024 तक यह बढ़कर तिरेसठ प्रतिशत से भी ऊपर पहुंच गया। इसी अवधि में आधी से अधिक आबादी के हिस्से की संपत्ति घटकर केवल एक प्रतिशत रह गई। यह आंकड़े केवल संख्या नहीं, मानवता की दिशा के संकेत हैं कि हम प्रगति के नाम पर असंतुलन का साम्राज्य खड़ा कर रहे हैं। जो विद्रोह का कारण बन रहा है, हिंसा एवं अलगाव का भी कारण बन रहा है।

जी-20 पैनल के अध्ययन के अनुसार, वर्तमान में वैश्विक स्तर पर असमानता भयावह स्तर तक जा पहुंची है। निस्संदेह, भारत भी इस स्थिति में अपवाद नहीं है। देश के सबसे अमीर एक फीसदी लोगों ने केवल दो दशक में अपनी संपत्ति में 62 फीसदी की वृद्धि की है। दुनिया की इस चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था में अमीर लगातार अमीर होते जा रहे हैं। वहीं दूसरी ओर गरीब अभाव, तंगी एवं जहालत के दलदल से बाहर आने के लिए छटपटा रहे हैं। इस आर्थिक असमानता का ही नतीजा है कि अमीर व गरीब के बीच संसाधनों का असमान वितरण और बदतर स्थिति में पहुंच गया है। ऑक्सफैम इंडिया की रिपोर्ट बताती है कि देश के शीर्ष दस प्रतिशत लोगों के पास कुल संपत्ति का लगभग सतहत्तर प्रतिशत हिस्सा है जबकि निचले साठ प्रतिशत लोगों के हिस्से में मात्र 4.7 प्रतिशत संपत्ति आती है। बीते दशक में अरबपतियों की संख्या दोगुनी हो गई लेकिन मजदूर, किसान और मध्यम वर्ग की आमदनी स्थिर रही या घटी। एक ओर महानगरों में गगनचुंबी इमारतें, विलासिता और अति उपभोग की चकाचौंध है, तो दूसरी ओर गाँवों और झुग्गियों में रोटी और दवा के लिए संघर्षरत लोग हैं। यही विरोधाभास हमारी विकास यात्रा का सबसे बड़ा प्रश्न बन गया है।

निस्संदेह, पैनल की हालिया रिपोर्ट नीति-निमार्ताओं को असमानता के इस बढ़ते अंतर को पाटने के तरीके तलाशने और नये साधन खोजने के लिये प्रेरित करेगी। पिछले ही हफ्ते, केरल सरकार ने दावा किया था कि राज्य ने अत्यधिक गरीब तबके की गरीबी का उन्मूलन कर दिया है। हालांकि, कुछ विशेषज्ञों ने इन दावों को लेकर संदेह जताया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के गरीबी मुक्त भारत के निर्माण का संकल्प भी आश्चर्यकारी सफलता के साथ आगे बढ़ रहा है। करीब 25 करोड़ लोगों को गरीब से बाहर लाया गया है। इस साल की शुरूआत में, विश्व बैंक ने भी बताया था कि भारत 2011-12 और 2022-23 के बीच 17 करोड़ लोगों को गरीबी की दलदल से बाहर निकालने में सफल रहा है। मोदी सरकार के जन-केंद्रित विकास और सामुदायिक भागीदारी के लाभों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। निस्संदेह, इस पहल ने करोडों अत्यंत गरीब परिवारों को भोजन, स्वास्थ्य सेवा और आजीविका के बेहतर साधनों तक पहुंचने में मदद की है। फिर भी देश में धन-संपत्ति की असमानता केवल आर्थिक नहीं, बल्कि असंतोष और हिंसा की जड़ है। जब परिश्रमी व्यक्ति को उसका उचित मूल्य नहीं मिलता, जब समाज में अवसर और सम्मान का समान वितरण नहीं होता, तब भीतर आक्रोश और विद्रोह जन्म लेता है। प्रसिद्ध अर्थशास्त्री थॉमस पिकेटी ने कहा है कि जब पूंजी की आय दर आर्थिक वृद्धि दर से अधिक हो जाती है, तब समाज में असमानता बढ़ती है और लोकतंत्र की जड़ें हिल जाती हैं। आज यही हो रहा है। आर्थिक असंतुलन से सामाजिक असंतुलन उपज रहा है, अविश्वास और द्वेष का वातावरण बन रहा है। कोरोना महामारी ने इस असमानता को और गहरा किया। जब करोड़ों लोग बेरोजगार और निर्धन हो गए, तब कुछ गिने-चुने उद्योगपतियों और कंपनियों की संपत्ति कई गुना बढ़ गई। इसका अर्थ यह है कि संकट भी अब वर्ग विशेष के लिए अवसर बन गया है। युद्धों, ऊर्जा संकट और बढ़ती महंगाई ने गरीब देशों की स्थिति को और भी कठिन बना दिया। अमीर देशों की बहुराष्ट्रीय कंपनियों ने इन संकटों से भी मुनाफा कमाया जबकि विकासशील देशों में भोजन, शिक्षा और स्वास्थ्य की उपलब्धता घटती गई। विकास का अर्थ हमने केवल सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि तक सीमित कर दिया है। समाज में नैतिकता, समानता, सहानुभूति और पर्यावरणीय न्याय जैसे तत्व विकास की परिभाषा से गायब हो गए हैं। अमीर देशों की कंपनियां गरीब देशों के संसाधनों का दोहन करती हैं, और गरीब देशों के श्रमिक उनके उत्पादन का आधार बन जाते हैं। यह एक नया आर्थिक उपनिवेशवाद है, जहां अब सत्ता नहीं, पूंजी शासन करती है।

गरीबी उन्मूलन की तस्वीर को केवल संख्याएं ही पूरी तरह नहीं उकेर सकती हैं। गरीबी कम करने के प्रयासों के दावों के मुताबिक जमीनी स्तर पर गुणात्मक बदलाव भी नजर आना चाहिए, आम जीवनस्तर उन्नत होता हुआ भी दिखना चाहिए। हालांकि, अर्थशास्त्री आमतौर पर संपत्ति कर लगाने के पक्षधर नहीं होते हैं, लेकिन सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि अति-धनी लोग सरकारी खजाने में अपना उचित योगदान दें। अब चाहे कोई अमीर हो या गरीब, सबका ध्यान विकास पर केंद्रित किया जाना चाहिए। तभी देश उत्पादकता के क्षेत्र में आगे बढ़कर गरीबी उन्मूलन की दिशा में सार्थक प्रगति कर सकता है। यह पहल ही नये भारत, विकसित भारत के सपने को साकार करने में मददगार साबित हो सकती है। गरीबी-अमीरी के असंतुलन की स्थिति से निकलने का एक ही मार्ग है-धन का न्यायपूर्ण पुनर्वितरण, समान अवसर और समाजोपयोगी नीति। कर व्यवस्था ऐसी हो जो अमीरों से अधिक कर लेकर गरीबों की शिक्षा, स्वास्थ्य और जीवन स्तर को सुदृढ़ करे। अवसरों की समानता तभी संभव है जब शिक्षा और स्वास्थ्य सभी के लिए समान रूप से सुलभ हों। लोकतंत्र में पारदर्शिता और जवाबदेही आवश्यक है ताकि नीति पूंजी के लिए नहीं, नागरिक के लिए बने। परंतु केवल नीतियों से नहीं, दृष्टि से परिवर्तन आएगा। स्वामी विवेकानंद ने कहा था-ह्लगरीब पापी नहीं, जीवित देवता हैं। उनकी सेवा ही ईश्वर की सेवा है।ह्व दूसरी बड़ी बात है कि जब कुछ लोग सब कुछ पा लेते हैं, तो बाकी सब कुछ खो देते हैं। इसलिये सरकारें वोट बैंक की राजनीति से इतर ईमानदारी से पहल करें तो गरीबी उन्मूलन की दिशा में सार्थक, समता एवं सतुलन के दृश्य स्थापित किये जा सकते हैं। चुनाव से पहले मुफ्त की रेवड़ियां बांटने की तेजी से बढ़ती प्रवृत्ति पर अंकुश लगाया जाना चाहिए। यह एक हकीकत है कि कोई भी सुविधा मुफ्त नहीं हो सकती। इस तरह की लोकलुभावनी कोशिशों से राज्यों का वित्तीय घाटा ही प्रभावित होता है। जिसकी कीमत लोगों को विकास योजनाओं से दूर रहकर ही चुकानी पड़ती है।

शिशु सुरक्षा के लिए उठाने होंगे ठोस कदम

-रमेश सर्राफ धमोरा

हर साल 07 नवम्बर को शिशुओं के स्वास्थ्य और कल्याण की सुरक्षा के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए शिशु सुरक्षा दिवस मनाया जाता है। यह दिवस प्रारंभिक स्वास्थ्य देखभाल, पोषण, टीकाकरण और माता-पिता की शिक्षा को बढ़ावा देकर शिशु मृत्यु दर को कम करने पर केंद्रित है। दुनिया भर में लाखों शिशु अभी भी संक्रमण, कुपोषण और चिकित्सा सुविधा की कमी जैसे रोकथाम योग्य कारणों से मर जाते हैं। यह दिवस समाज और सरकारों को यह याद दिलाता है कि हर बच्चे के जीवन में एक स्वस्थ शुरुआत के अधिकार को सुनिश्चित करने के लिए और अधिक ठोस कदम उठाएं।

भारत और कई अन्य देशों में शिशु संरक्षण दिवस मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य से जुड़ी पहलों को बढ़ावा देने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करता है। जननी सुरक्षा योजना और पोषण अभियान जैसे कार्यक्रम शिशुओं की प्रारंभिक देखभाल में सुधार के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। यह दिवस माता-पिता को स्वस्थ विकास सुनिश्चित करने के लिए उचित आहार, स्वच्छता और टीकाकरण के नियमों का पालन करने के लिए प्रोत्साहित करता है। नवजात शिशुओं की उचित सुरक्षा ना हो पाने के कारण दुनिया में बहुत सारे बच्चे मौत के आगोश में चले जाते है। हालांकि सरकार ने इसे रोकने कि दिशा में सार्थक प्रयास किये है। जिनकी बदौलत देश में शिशु मृत्यु दर में कमी आयी है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया के अनुसार देश 2030 तक सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) प्राप्त करने की दिशा में बढ़ रहा है। भारत में नवजात बच्चों की मौतों के मामलों में सरकार के लिए बीते 77 साल बड़ी चुनौती भरे रहे हैं। हालांकि इसमें लगातार कमी आ रही है।

देश में शिशु मृत्यु दर (आईएमआर) और शिशु जन्म दर में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई है। 2023 की नमूना पंजीकरण प्रणाली (एसआरएस) रिपोर्ट के मुताबिक देश में शिशु मृत्यु दर न्यूनतम 25 पर आ गई है। 2013 में 40 के मुकाबले इसमें 37.5 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। वहीं शिशु जन्म दर में पिछले 10 साल में 14 प्रतिशत की भारी गिरावट दर्ज की गई है। 2013 में ये दर 21.4 प्रतिशत थी अभी ये 18.4 प्रतिशत है। आइएमआर एक प्रमुख सार्वजनिक स्वास्थ्य संकेतक है, जिसे एक वर्ष से कम आयु के पैदा होनेवाले प्रति 1,000 शिशुओं पर होनेवाली मौतों की संख्या के रूप में परिभाषित किया जाता है। यह संख्या जितनी कम होगी स्वास्थ्य सेवा की पहुंच उतनी ही बेहतर मानी जाएगी।

एसआरएस रिपोर्ट के मुताबिक 1971 में शिशु मृत्यु दर के मुकाबले 2023 में 80 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और उत्तर प्रदेश में सबसे ज्यादा बाल मृत्यु दर प्रति हजार पर 37 दर्ज की गई है। वहीं मणिपुर में ये आंकड़ा तीन का है। 21 राज्यों में केरल ही एकमात्र ऐसा प्रदेश है, जहां शिशु मृत्यु दर इकाई में दर्ज की गई है। केरल में ये आंकड़ा 5 का है और मणिपुर के बाद ये दूसरे नंबर पर है।

रिपोर्ट में ग्रामीण क्षेत्रों में ये आईएमआर 44 से घटकर 28 पर आ गई है। वहीं शहरी इलाकों में 27 से घटकर 18 पर आंकी गई है। इस तरह 10 साल में इस दर में 36 प्रतिशत और 33 प्रतिशत की गिरावट क्रमशः दर्ज की गई है। शिशु जन्म दर में भी इसी तरह का रुख रिपोर्ट में शिशु जन्म दर में भी गिरावट का रुख दर्ज किया गया है। ये दर जनसंख्या वृद्धि का एक महत्वपूर्ण निर्धारक है। इसके तहत सालभर में प्रति हजार जनसंख्या पर जीवित शिशुओं की संख्या बताई जाती है। रिपोर्ट के मुताबिक पिछले पांच दशकों में जन्म दर में भारी गिरावट दर्ज की गई है। ये दर 1971 के 36.9 प्रतिशत से गिरकर 2023 में 18.4 प्रतिशत पर आ गई है। इस दौरान ग्रामीण और शहरी क्षेत्र में शिशु जन्म दर करीब-करीब बराबर हो गई है। पिछले 10 वर्ष में जन्म दर 21.4 प्रतिशत से गिरकर 2023 में 18.4 प्रतिशत पर आ गई है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछले दशक में जन्म दर में लगभग 14 प्रतिशत की गिरावट आई है, जो 2013 में 21.4 से घटकर 2023 में 18.4 हो गई है। ग्रामीण क्षेत्रों में यह 11 प्रतिशत घटकर 22.9 से 20.3 हो गई है। वहीं शहरी क्षेत्रों में यह 17.3 से घटकर 14.9 हो गई है, जो लगभग 14 प्रतिशत है। बिहार में 2023 में सबसे ज्यादा जन्म दर 25.8 दर्ज की गई, जबकि अंडमान और निकोबार द्वीप समूह 10.1 के साथ सबसे कम पर था। रिपोर्ट में कहा गया है कि चंडीगढ़ में सबसे कम मृत्यु दर 4 और छत्तीसगढ़ में सबसे ज्यादा 8.3 दर्ज की गई।

भारत ने पिछले सात दशकों में भले ही चिकित्सा क्षेत्र में प्रगति करते हुए शिशु मृत्यु दर पर काबू पाया है। लेकिन आज भी शिशुओं की मौत बड़ा सवाल है। भारत के रजिस्ट्रार जनरल द्वारा जारी सैंपल रजिस्ट्रेशन सिस्टम रिपोर्ट 2023 के अनुसार शिशु मृत्यु दर में काफी सुधार देखा गया है। ये साल 2013 में हर 1000 जन्मे बच्चों में से 40 से घटकर अब 25 के रिकॉर्ड निचले स्तर पर आ गई है। यानी कि मृत्युदर में 37.5 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है।

देश में स्वास्थ्य सम्बन्धी चीजों की कमी के कारण यह समस्या और बढ़ जाती है। सरकारों ने इस समस्या से निपटने के लिए बहुत सी योजनायें लागू की है। मगर बुनियादी स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी तथा जागरूकता की कमी के कारण शिशुओं की मृत्यु दर में पूर्णतया कमी नहीं आई है। उचित पोषण के भाव में अब भी कई बच्चे दम तोड़ देते है। ग्रामीण इलाकों में शिक्षा की कमी एवं प्रशिक्षित नर्सों व दाइयों की कमी के कारण भी विभिन्न प्रकार की समस्यायें उत्पन्न होती है।

2025-26 में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग का अनुमानित व्यय 99,859 करोड़ रुपए है। यह 2024-25 के संशोधित अनुमानों से 11% अधिक है। जो 2025-26 के लिए केंद्र सरकार के कुल बजट का लगभग 1.97 % है। यह राशि कम है इसे बढ़ाना होगा तभी भारत में नवजात शिशुओं की मौत पर रोक लगायी जा सकती है। शिशु सुरक्षा सिर्फ सरकार की ही नहीं करन सभी की जिम्मेदारी है। सभी को एकजुट होकर इसके लिए आगे आना होगा तब जाकर हम अपने देश के शिशुओं की सुरक्षा के मामले में अन्य देशों की तुलना में ऊपरी पायदान पर आ पाएंगे।

शिशु मृत्यु दर में कमी लाने के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार शिशु जन्म के एक घंटे के भीतर मां का दूध पिलाना चाहिए। मा के गाढ़े पीले दूध में सर्वाधिक मात्रा में संक्रमण-रोधी तत्त्व मौजूद होता है। जिसे कोलोस्ट्रम कहा जाता है। इसमें बड़ी मात्रा में विटामिन ए के साथ 10 प्रतिशत तक प्रोटीन होता है। जो शरीर की प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने का सर्वश्रेष्ठ माध्यम होता है। 6 माह तक शिशुओं को केवल स्तनपान कराया जाना चाहिए। जिसमें मां के दूध के अलावा कोई अन्य दूध, खाद्य पदार्थ,पेय पदार्थ और यहां तक पानी भी नहीं पिलाना चाहिए। इससे शिशु डायरिया, निमोनिया,अस्थमा एवं एलर्जी से बचा रहता है।

जीडीपी के प्रतिशत के रूप में भारत के स्वास्थ्य खर्च को दुनिया के औसत और अन्य विकासशील और विकसित देशों से काफी नीचे छोड़ देता है। भारत का खर्च नेपाल, बांग्लादेश और पाकिस्तान जैसे देशों से तो ज्यादा है। मगर यूनाइटेड किंगडम, न्यूजीलैंड, फि नलैंड, नीदरलैंड और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों की तुलना में जो अपने कुल सकल घरेलू उत्पाद का 9 प्रतिशत से अधिक स्वास्थ्य पर खर्च करते हैं उनसे भारत बहुत पीछे है। इसी तरह, जापान, कनाडा, स्विट्जरलैंड, फ्रांस, जर्मनी स्वास्थ्य सेवाओं पर अपनी कुल जीडीपी का कम से कम 10 प्रतिशत खर्च करते हैं। वहीं अमेरिका अपनी जीडीपी का करीब 16 फीसदी स्वास्थ्य पर खर्च करता है। बजट में स्वास्थ्य आवंटन में सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली और प्रौद्योगिकी में सुधार पर जोर देना चाहिए। स्वास्थ्य देखभाल के बुनियादी ढांचे विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है।

साहित्य सत्य की साधना और संस्कृति का पर्याय

संजीव ठाकुर

भारतीय अवार्चीन संस्कृति का दार्शनिक चिंतन सदैव इस बात पर केंद्रित रहा है कि मनुष्य केवल शरीर नहीं, बल्कि चेतना का संवाहक है। यह चेतना जब अभिव्यक्ति के किसी व्यक्त रूप में प्रवाहित होती है, तो वही अभिव्यक्ति का परिवर्जित रूप साहित्य कहलाती है। साहित्य कोई स्थिर संस्था नहीं, बल्कि वह एक जीवंत अनुभूति जो समय, समाज और संवेदना के साथ निरंतर विकसित होती रहती है। यह सत्य की साधना है, शिवत्व की कामना है और सौंदर्य की अभिव्यंजना भी। जब मनुष्य अपनी आत्मा के स्पंदन को शब्दों में ढालता है, तब वह न केवल अपने युग का साक्ष्य लिखता है, बल्कि युगों-युगों तक मानवता के हृदय को आलोकित करता है।शुद्ध, जीवंत और उत्कृष्ट साहित्य समाज की संवेदना का आधारस्तंभ होता है। यह मानव के भीतर छिपी उस सहज वृत्ति को जाग्रत करता है जो करुणा, प्रेम, समरसता और नैतिकता से पोषित होती है। साहित्य की यही शाश्वतता उसे कालजयी बनाती है। इसीलिए कालिदास, सूरदास, कबीर, प्रेमचंद या शेक्सपियर जैसे रचनाकार आज भी हमारे समय में उतने ही जीवंत प्रतीत होते हैं, जितने अपने समय में थे। उनकी कृतियाँ केवल शब्दों का सौंदर्य नहीं, बल्कि मनुष्य की आत्मा का दस्तावेज हैं। वे हमें याद दिलाती हैं कि मनुष्य की पीड़ा, आशा, संघर्ष और संवेदना युगों के अंतराल में भी नहीं बदलती केवल उसका रूप बदलता है। राजनीतिक और भौगोलिक विभाजनों के बावजूद साहित्य मनुष्य को एक ही धरातल पर लाता है। क्योंकि शब्द का संसार सीमाओं से परे है। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं कि भाषाएँ भिन्न हो सकती हैं, पर भाव एक ही रहते हैं। किसी भी देश की भाषा और साहित्य उस देश की सभ्यता, संस्कृति और मानसिक प्रगति का सूचक होते हैं। साहित्य के अध्ययन से उस समाज की आत्मा को समझा जा सकता है। उसके उल्लास, उसके संघर्ष, उसके स्वप्न और उसकी पीड़ाओं को भी। मुंशी प्रेमचंद ने साहित्य को जीवन की आलोचना कहा था। यह परिभाषा आज के संदर्भ में और भी प्रासंगिक लगती है। क्योंकि साहित्य केवल सौंदर्य का उत्सव नहीं, बल्कि समाज के नैतिक संकटों का दर्पण भी है। यह विसंगतियों को उजागर करता है, अन्याय पर गंभीर प्रश्न उठाता है, और व्यक्ति के अंतस में छिपे विवेक को जगाता है। एक सशक्त लेखक अपने समय की संवेदना का प्रहरी होता है। वह शब्दों के माध्यम से उस मौन को आवाज देता है जो अक्सर व्यवस्था, भय या मोह में दब जाता है।

प्राचीन मनीषियों से लेकर आधुनिक लेखकों तक, हर युग का साहित्य मानवता का संपूर्ण चरित्र चित्रण करता है। संस्कृति और साहित्य का संबंध उतना ही गहरा है जितना नदी और जल का। दोनों एक-दूसरे के बिना अपूर्ण हैं। संस्कृति जहाँ मूल्य, परंपरा और आस्था का प्रतिनिधित्व करती है, वहीं साहित्य उन मूल्यों को शब्दों में ढालकर पीढ़ी-दर-पीढ़ी प्रवाहित करता है। यही कारण है कि जब समाज किसी मूल्य संकट से गुजरता है, तो सृजनशील साहित्य ही उसे नई दिशा देता है।वर्तमान युग में जब भौतिकता ने मनुष्य की संवेदना को लगभग ढँक लिया है, जब सूचना का विस्फोट तो है पर अनुभूति का अभाव है, तब साहित्य की भूमिका पहले से कहीं अधिक गंभीर हो गई है। आज का साहित्य केवल विचार का नहीं, बल्कि विवेक का भी माध्यम है। वह तकनीक और संस्कृति के टकराव के बीच मानवीय करुणा की रक्षा करता है। जो साहित्य इस युग में मनुष्य को मानव बने रहने की चेतना देता है, वही वास्तव में श्रेष्ठ है। हिंदी साहित्य की परंपरा विशेष रूप से समन्वय की रही है। कबीर की निर्भीक वाणी, रविंद्रनाथ टैगोर का आध्यात्मिक सौंदर्य, प्रेमचंद का यथार्थवादी दृष्टिकोण, जयशंकर प्रसाद की भावुकता, फणीश्वरनाथ रेणु की ग्राम्य चेतना ये सभी मिलकर हिंदी साहित्य को जनमानस की आत्मा बनाते हैं। इनकी रचनाएँ समय से परे जाकर उस मनुष्य की खोज करती हैं जो भीतर से एक है, भले ही बाहर से विभाजित हो गया हो। यही कारण है कि इनकी कृतियाँ केवल साहित्य नहीं, बल्कि जीवन-दर्शन हैं।

साहित्य एक सामाजिक प्रक्रिया भी है। यह अपने समय की आर्थिक, राजनीतिक और वैचारिक परिस्थितियों से प्रभावित होता है, और उन्हें प्रभावित भी करता है। यथार्थवाद और आदर्शवाद का समन्वय ही साहित्य की पूर्णता है। जयशंकर प्रसाद ने कहा था जीवन की अभिव्यक्ति यथार्थवाद है और अभाव की पूर्ति आदर्शवाद। यह विचार आज भी उतना ही सार्थक है। क्योंकि समाज को बदलने के लिए केवल यथार्थ की समझ नहीं, बल्कि आदर्श की दृष्टि भी आवश्यक है।

आज के संदर्भ में साहित्य की जिम्मेदारी और भी बढ़ गई है। वह न केवल सामाजिक असमानताओं को उजागर करता है, बल्कि उन पर आत्ममंथन भी कराता है। वह हमें यह सिखाता है कि आधुनिकता का अर्थ परंपरा से विमुख होना नहीं, बल्कि उसमें नवीनता का समावेश करना है। भारतीय अवार्चीन संस्कृति का यह ही सार रहा है –नवीनता में नित्यत्व और नित्यत्व में नवीनता। यही भाव साहित्य को कालातीत बनाता है।आज जब समाज में संवेदनाओं का ह्रास, विचारों में विभाजन और मानवीय संबंधों में दूरी बढ़ रही है, तब साहित्य ही वह शक्ति है जो हृदय को पुनः हरियाली से भर सकता है। साहित्य हमें याद दिलाता है कि भले ही समय बदल जाए, पर मानवता का मूल स्वर एक ही रहता है करुणा, प्रेम और शांति।साहित्य केवल शब्दों का संग्रह नहीं, बल्कि वह जीवन का सार है। वह समाज का दिशा-दर्शन करता है, जनमानस को आलोकित करता है और समय के अंधेरे में दीपक की तरह टिमटिमाता है। श्रेष्ठ साहित्य वही है जो मनुष्य के भीतर और बाहर दोनों स्तरों पर प्रासंगिक मूल्यों, संदेशों और उद्देश्यों को समेटे हो।

निश्चय ही, वह दिन दूर नहीं जब हिंदी साहित्य वैश्विक फलक पर अपनी मानवीय संवेदना और सांस्कृतिक गहराई के कारण और अधिक सम्मानित होगा। क्योंकि अंततः साहित्य वही है जो मानवता को बचाए रखे और यही उसकी सबसे बड़ी साधना है, यही उसका शिवत्व है।

प्राथमिक स्तर से कृत्रिम बुद्धिमत्ता शिक्षा की शुरूआत एक परिवर्तनकारी पहल

-प्रियंका सौरभ

भारत सरकार द्वारा प्राथमिक स्तर से कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) की शिक्षा शुरू करने की योजना भारतीय शिक्षण प्रणाली के इतिहास में एक महत्वपूर्ण मोड़ के रूप में देखी जा रही है। यह पहल न केवल बच्चों को भविष्य की तकनीकी दुनिया के लिए तैयार करने का प्रयास है, बल्कि यह राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के मूल उद्देश्यों - समग्र, बहुविषयी, कौशल आधारित और नवाचार उन्मुख शिक्षा- के साथ गहराई से जुड़ी हुई है। यह कदम भारत के शिक्षा पारिस्थितिकी तंत्र को पारंपरिक रटंत प्रणाली से निकालकर जिज्ञासा, रचनात्मकता और तर्कशीलता की दिशा में मोड़ने वाला है।

भारत सरकार की यह योजना एनईपी 2020 की उस भावना को साकार करती है, जो शिक्षा को केवल नौकरी प्राप्ति का साधन नहीं बल्कि जीवन कौशल, तकनीकी समझ और मानवीय मूल्यों से युक्त नागरिक निर्माण का माध्यम मानती है। प्राथमिक स्तर से एआई शिक्षा बच्चों में तार्किक सोच, विश्लेषण क्षमता और जिम्मेदार तकनीकी दृष्टिकोण विकसित करने का अवसर प्रदान करेगी।

भारत का शिक्षण तंत्र लंबे समय तक पारंपरिक पद्धतियों पर आधारित रहा है, जहां ज्ञान को रटना और परीक्षाओं में अंक प्राप्त करना ही सफलता का पैमाना माना गया। लेकिन बदलती वैश्विक अर्थव्यवस्था, डिजिटल युग और चौथी औद्योगिक क्रांति के दौर में यह दृष्टिकोण पर्याप्त नहीं रह गया है। आज शिक्षा का उद्देश्य केवल साक्षरता नहीं, बल्कि स्मार्ट नागरिक बनाना है – जो न केवल सूचना समझ सके, बल्कि उसका रचनात्मक और नैतिक उपयोग भी कर सके। इसी परिप्रेक्ष्य में सरकार का यह निर्णय कि प्राथमिक स्तर से ही बच्चों को कृत्रिम बुद्धिमत्ता की मूल समझ दी जाए, एक दूरदर्शी और नीतिगत दृष्टि से परिपक्व कदम है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का प्रमुख उद्देश्य इक्कीसवीं सदी की आवश्यकताओं के अनुरूप शिक्षा प्रणाली का रूपांतरण है। नीति यह कहती है कि शिक्षा ऐसी होनी चाहिए जो बच्चे की जिज्ञासा, प्रयोगशीलता और सृजनशीलता को प्रोत्साहित करे। एनईपी 2020 का सबसे बड़ा फोकस यह है कि बच्चों में ह्लसीखने की खुशीह्व विकसित हो और शिक्षा रटने की बजाय सोचने, समझने और खोजने की प्रक्रिया बने। इस दृष्टि से देखा जाए तो एआई शिक्षा का आरंभ इसी विचार का विस्तार है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता केवल तकनीकी विषय नहीं है, बल्कि यह सोचने, विश्लेषण करने और समस्या समाधान की कला को विकसित करने का माध्यम है। जब बच्चे प्रारंभिक स्तर से ही तर्कशक्ति, पैटर्न पहचान और आंकड़ों को समझने की क्षमता सीखते हैं, तो वे जीवन के हर क्षेत्र में अधिक समझदार निर्णय ले सकते हैं। यही एनईपी 2020 का उद्देश्य भी है झ ऐसी शिक्षा जो बच्चे को केवल ज्ञानवान नहीं, बल्कि विवेकवान बनाए।

एआई को प्राथमिक स्तर पर शामिल करने का एक और बड़ा लाभ यह है कि यह शिक्षा को बहुविषयी बनाता है। उदाहरण के लिए, यदि किसी कक्षा में बच्चों को रोबोट की मदद से कहानी सुनाई जाती है, तो वे एक साथ भाषा, गणित, विज्ञान और नैतिकता सीखते हैं। इस तरह कृत्रिम बुद्धिमत्ता के उपयोग से शिक्षा का चरित्र विषय-केंद्रित न रहकर अनुभव-केंद्रित बनता है। एनईपी 2020 का यही लक्ष्य है कि शिक्षा बच्चों के अनुभव और रुचि के आधार पर दी जाए, ताकि सीखना एक स्वाभाविक प्रक्रिया बन सके। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में मौलिक साक्षरता और गणनात्मक क्षमता यानी बुनियादी पढ़ने-लिखने और गिनने की योग्यता को प्राथमिक चरण की सबसे बड़ी प्राथमिकता बताया गया है। यदि इसी स्तर पर बच्चों को एआई की प्रारंभिक अवधारणाएँ, जैसे- तर्क श्रृंखला, डेटा पहचान, पैटर्न समझना या निर्णय लेना- सिखाई जाएं, तो उनकी सोचने और विश्लेषण करने की शक्ति कई गुना बढ़ सकती है। यह उन्हें न केवल डिजिटल युग के अनुकूल बनाता है, बल्कि भविष्य के रोजगार और नवाचार की दिशा में भी सक्षम बनाता है।

हालांकि, इस योजना के कार्यान्वयन के साथ कुछ चुनौतियाँ भी जुड़ी हैं। सबसे बड़ी चुनौती है- डिजिटल असमानता। भारत के कई ग्रामीण और वंचित क्षेत्रों में अभी भी इंटरनेट, कंप्यूटर और प्रशिक्षित शिक्षकों की पर्याप्त उपलब्धता नहीं है। यदि एआई शिक्षा को समान रूप से लागू नहीं किया गया तो यह अमीर और गरीब बच्चों के बीच एक नई डिजिटल खाई पैदा कर सकती है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति समावेशिता और समान अवसर पर बल देती है, इसलिए सरकार को इस दिशा में विशेष ध्यान देना होगा कि हर बच्चा, चाहे वह किसी भी पृष्ठभूमि से हो, एआई शिक्षा का लाभ उठा सके। शिक्षक प्रशिक्षण इस पहल की दूसरी बड़ी आवश्यकता है। एआई शिक्षा को सफल बनाने के लिए केवल पाठ्यपुस्तकें नहीं, बल्कि सक्षम और प्रशिक्षित शिक्षक भी आवश्यक हैं। एनईपी 2020 शिक्षकों को सीखने का सहायक मानती है, जो बच्चों को प्रेरित करें, मार्गदर्शन दें और जिज्ञासा को पोषित करें। इसके लिए शिक्षकों के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम तैयार करने होंगे, जिसमें उन्हें एआई की बुनियादी समझ, नैतिक पक्ष और शिक्षण में तकनीक के उपयोग की विधियाँ सिखाई जाएं। एआई शिक्षा का एक और महत्वपूर्ण पहलू नैतिकता है। यदि बच्चों को केवल तकनीक सिखाई जाए और उसमें मानवीय संवेदनाओं, जिम्मेदारी और सह-अस्तित्व का भाव न जोड़ा जाए, तो यह शिक्षा अधूरी होगी। एनईपी 2020 ने नैतिक और मानवीय मूल्यों को शिक्षा का अभिन्न हिस्सा बताया है। अतः एआई के साथ नैतिक एआई की अवधारणा सिखाना अनिवार्य होना चाहिए, जिससे बच्चे समझें कि तकनीक का उपयोग समाज और मानवता के कल्याण के लिए कैसे किया जा सकता है।

इस योजना को सफल बनाने के लिए पाठ्यचर्या में भी नवाचार की आवश्यकता है। एआई शिक्षा को बोझ न बनाकर बच्चों के दैनिक जीवन से जोड़ना होगा। उदाहरण के लिए, खेल-खेल में मशीन की सोच समझाना, चित्रों से आंकड़ों का विश्लेषण सिखाना या कहानियों के माध्यम से कार्य-प्रणाली का अर्थ समझाना – ऐसे उपायों से बच्चे इसे सहज रूप से ग्रहण करेंगे। एआई को बच्चों के अनुभवात्मक और खोज-आधारित शिक्षण का हिस्सा बनाया जा सकता है।

यह पहल भारत के लिए वैश्विक प्रतिस्पर्धा के दौर में भी एक रणनीतिक अवसर प्रस्तुत करती है। आज विश्व के विकसित देश प्राथमिक स्तर पर ही बच्चों को कोडिंग, डेटा साक्षरता और एआई आधारित समस्या समाधान सिखा रहे हैं। यदि भारत भी अपने बच्चों को प्रारंभिक अवस्था से इस दिशा में तैयार करता है, तो आने वाले दशक में वह कृत्रिम बुद्धिमत्ता का केंद्र बनने की दिशा में अग्रसर हो सकता है। इससे न केवल रोजगार के नए अवसर खुलेंगे, बल्कि भारत नवाचार और तकनीकी नेतृत्व में भी अग्रणी बन सकता है।

फिर भी, आलोचनात्मक दृष्टि से देखा जाए तो केवल नीतिगत घोषणा पर्याप्त नहीं है। एआई शिक्षा को वास्तविक रूप में प्रभावी बनाने के लिए तीन प्रमुख सुधार आवश्यक हैं। पहला, डिजिटल ढांचे का समान विस्तार, ताकि हर स्कूल में इंटरनेट, कंप्यूटर और स्मार्ट उपकरण उपलब्ध हों। दूसरा, स्थानीय भाषाओं में शिक्षण सामग्री, ताकि भाषा किसी बच्चे की सीखने में बाधा न बने और एनईपी 2020 के बहुभाषिकता के सिद्धांत का पालन हो। तीसरा, सार्वजनिक-निजी साझेदारी के माध्यम से शिक्षा में तकनीकी निवेश को बढ़ाना, जिससे संसाधनों और प्रशिक्षण की कमी पूरी की जा सके। इन सुधारों के साथ यदि यह योजना प्रभावी रूप से लागू होती है, तो यह भारत की शिक्षा प्रणाली में एक मौलिक परिवर्तन ला सकती है। यह केवल तकनीकी ज्ञान नहीं, बल्कि भविष्य की जीवनशैली, कार्य संस्कृति और मानवीय दृष्टिकोण को भी नया आकार देगी।

अंततः यह कहा जा सकता है कि प्राथमिक स्तर से कृत्रिम बुद्धिमत्ता की शिक्षा शुरू करना केवल एक तकनीकी पहल नहीं, बल्कि यह एक वैचारिक क्रांति है। यह बच्चों को उस युग के लिए तैयार करती है जहाँ मशीनें और मानव मिलकर कार्य करेंगे, लेकिन निर्णय और विवेक का केंद्र फिर भी मनुष्य ही रहेगा। एनईपी 2020 ने जिस ह्लइक्कीसवीं सदी के नागरिकह्व की कल्पना की है – जो जिज्ञासु, सृजनशील, संवेदनशील और जिम्मेदार हो – एआई शिक्षा उसी सपने को साकार करने का माध्यम बन सकती है।

यदि सरकार इस दिशा में समावेशी दृष्टिकोण, शिक्षक सशक्तिकरण और नैतिक चेतना के साथ आगे बढ़ती है, तो यह पहल न केवल शिक्षा के क्षेत्र में, बल्कि भारत के सामाजिक और आर्थिक विकास में भी एक नया अध्याय लिख सकती है। यह वह कदम है जो भारत को ह्लज्ञान से शक्तिह्व की ओर ले जाएगा – और ह्लविकसित भारत 2047ह्व के स्वप्न को साकार करने की ठोस आधारशिला बनेगा।

प्राध्यापक अजय पालके के एल एल बी उत्तीर्ण करने पर उनके शुभचिंतकों द्वारा मिल रही बधाईयां

भिवंडी । भिवंडी के जाने माने प्राध्यापक अजय पालके ने आयडियल ला कालेज (वाडा) से एल एल बी की परीक्षा उत्तीर्ण कर वकालत की तैयारी कर रहे हैं। बतादें कि 48 वर्षीय अजय पालके पिछले 25 वर्षों से कोचिंग क्लासेज के माध्यम से विद्यार्थियों को शिक्षा देने के साथ पीपल्स रिपब्लिक पार्टी में विभिन्न पदों पर रहते हुये फिलहाल महाराष्ट्र प्रदेश सचिव के पद पर रहकर राजनीति में अपनी भूमिका निभा रहे हैं। उनके अधिवक्ता बनने पर उनके शुभचिंतकों में सुबास जोगदंकर, विलास पालके, डा. सुनील पालके, प्राध्यापक मिलिंद पालके, रहमतुल्ला अंसारी, किताबुद्दीन अंसारी, जावेद शेख, एकनाथ भोईर, बेबी शेख, अभिषेक जयसवाल, संदीप तायडे, विनोद गायकवाड़, शरद भवार, वासुदेव खारिक, मंगेश घाडगे, विनोद आरकडे, आदि लोगों ने शुभकामनाएँ देते हुये उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

भाजपा विधायक सुलभा गायकवाड़ के हांथो अनेकों विकास कामों का भूमिपूजन

कल्याण। कल्याण (पूर्व) विधानसभा क्षेत्र की महिला विधायक सुलभताई गणपत गायकवाड़ के मार्गदर्शन में विधायक निधि एवं जिला योजना समिति ठाणे विकास निधि से कुल 1 करोड़ 65 लाख रुपये की लागत के विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन समारोह विधायक सुलभताई गणपत गायकवाड़ के शुभ हाथों से संपन्न हुआ। इस अवसर पर विधायक सुलबताई गणपत गायकवाड़ ने कहा की कल्याण (पूर्व) 142 निर्वाचन क्षेत्र के लोगों से किए गए हर वादे को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध हूँ। हमारी प्राथमिकता नागरिकों की बुनियादी जरूरतें, जैसे कि शहर की सड़कें,स्वच्छता,पेयजल, खेल के मैदान आदि नागरिकों की बुनियादी सुविधाएं प्रदान करना है। इसी तरह शहर के विकास कामों की गति लगातार जारी रहेगी। कार्यक्रम में कल्याण पूर्व विधानसभा चुनाव प्रमुख संजय मोरे, पूर्व नगरसेविका माधुरी काले,पूर्व नगर सेविका हेमलता पावशे, इंदिरा तारे, साथ ही मंडल अध्यक्ष संतोष शेलार, यशोदा माली, ज्योत्सना देहरकर, राम बनसोडे, अमिताभ सिंह ठाकुर, चेतन म्हात्रे, अंजू शुक्ला, सत्यप्रकाश उपाध्याय, अमोल सालुंके, जयश्री सानप सहित अनेकों भाजपा के पदाधिकारी, और कार्यकर्ता सहित स्थानीय नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

गारंटको ने 2025 का तीसरा इंडियन बॉन्ड मार्केट ट्रांजैक्शन पूरा किया

मुंबई। गारंटको, प्राइवेट इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेन्ट ग्रुप (पीआईडीजी) के भाग गारंटको ने मात्र 7 महीनों के अंदर तीसरा भारतीय पूंजी बाजार लेनदेन पूरा कर लिया है, इसमें भारत के अग्रणी सार्वजनिक रूप से सूचीबद्ध नॉन-बैंक फाइनैंशियल संस्थानों में से एक मुथूट कैपिटल सर्विसेज लिमिटेड द्वारा रु 1.5 बिलियन (लगभग 17 मिलियन अमेरिकी डॉलर) के लिस्टेड ग्रीन बॉन्ड जारी करने के लिए आंशिक (65 फीसदी) गारंटी शामिल है। बॉन्ड से जुटाई गई राशि का उपयोग एमसीएएसएल द्वारा मुख्य रूप से ग्रामीण एवं गैर-महानगरों के उपभोक्ताओं को इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों की खरीद हेतु लोन देने के लिए किया जाएगा। इस तरह देश में महानगरों के दायरे से बढ़कर इलेक्ट्रिक वाहनों के सिस्टम को विकास को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी। गारंटको की गारंटी के चलते देश की अग्रणी रेटिंग एजेंसी क्रिसिल ने एमसीएलएल के पहले ग्रीन बॉन्ड की रेटिंग को तीन पायदान बढ़ाकर एए प्लस (सीई) कर दिया है। इन बॉन्ड्स को एक्सक्लुजिव रूप से नेशनल स्टॉक एक्सचेंज यानि एनएसई पर सूचीबद्ध किया गया है। इस लेनदेन से एमसीएसएल को कमर्शियल बैंकों के अलावा संस्थागत निवेशकों से भी पूंजी जुटाने में मदद मिलेगी, साथ ही कंपनी छह साल की लम्बी अवधि की लिक्विडिटी का लाभ भी उठा सकेगी। यह 2024 में एक्सिस बैंक फ्रेमवर्क के तहत लोन गारंटी के बाद एमसीएसएल के साथ गारंटको की दूसरी डील है, जो फिर से ई-मोबिलिटी फाइनैंसिंग को सपोर्ट करेगी। इस अवसर पर निशांत कुमार, मैनेजिंग डायरेक्टर, एशिया इन्वेस्टमेन्ट्स- गारंटको, हैड ऑफ कवरेज- एशिया, पीआईडीजी ने कहा, हमें खुशी है कि हमें एक बार फिर से मुथूट कैपिटल के साथ काम करने तथा सितम्बर में केपीआई ग्रीन के लिए कैपिटल मार्केट लेनदेन के बाद इतनी जल्दी भारत में अपने बॉन्ड गारंटी पोर्टफोलियो को विस्तारित करने का मौका मिला है। हमने इस लेनदेन को रिकॉर्ड समय में पूरा करने के लिए रेप्लीकेशन का पूरा फायदा उठाया।

श्रीराम सुपर 5-एस आर-05 बीज से नालंदा के किसानों को मिल रही रिकॉर्ड उपज

मुंबई/नालंदा। बिहार में गेहूं की खेती में श्रीराम फार्म सॉल्यूशन्स द्वारा विकसित 'श्रीराम सुपर 5-एस आर-05' और 'श्रीराम सुपर 303' गेहूं बीजों ने उल्लेखनीय परिवर्तन लाया है। इन उन्नत किस्मों ने किसानों के बीच उच्च उपज, रोग प्रतिरोधकता और विभिन्न जलवायु परिस्थितियों में अनुकूलता के लिए ख्याति प्राप्त की है।श्रीराम फार्म सॉल्यूशन्स के विश्वविख्यात गेहूं वैज्ञानिकों द्वारा तैयार की गई गेहूं की किस्में, श्रीराम सुपर 5-एस आर-05 और 303, इनकी अनुकूलन क्षमता और बेहतरीन उत्पादकता के चलते किसानों में बहुत लोकप्रिय हैं।इनमें कल्ले ज्यादा और बालियां लंबी है, और यह रोगों के प्रति सहनशील है।सबसे खास बात यह है कि बदलती प्रकृति से उभर रही नई-नई चुनौतियों में भी इन किस्मों के परिणाम श्रेष्ठ हैं। अपनी इन्हीं विशेषताओं के चलते ये दोनों किस्में भारत के विभिन्न क्षेत्रों के किसानों की पहली पसंद बन गई हैं।बिहार के अनुभवी किसान अवधेश पासवान बताते हैं कि इस साल उन्होंने अपने खेत में श्रीराम सुपर 5-एस आर-05 गेहूं की बुवाई की। उनका कहना है कि इस किस्म का तना बेहद मजबूत है, जिससे फसल गिरने की संभावना नहीं रहती।

भाजयुमो मुंबई के आवाज मुंबईकरांचा, संकल्प भाजपाचा कैंपेन में युवाओं का जोश, 100 कॉलेजों में जबरदस्त भागीदारी

मुंबई। मुंबई में भाजयुमो के नेतृत्व में 100 कॉलेजों में चलाया गया आवाज मुंबईकरांचा, संकल्प भाजपाचा अभियान अभूतपूर्व सफलता के साथ संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में Gen युवाओं ने बाढ़-चढ़ कर भाग लिया और अपने विचार, सुझाव और सपनों की मुंबई को लेकर जोरदार सहभागिता दिखाई।

भारतीय जनता पार्टी मुंबई के मार्गदर्शन में, मुख्यमंत्री श्री देवेंद्र फडणवीस और मुंबई भाजपा अध्यक्ष विधायक श्री अमीत साटम के नेतृत्व में आयोजित इस पहल का उद्देश्य युवाओं की आवाज को नीति निर्माण में सम्मिलित करना था।

6 नवंबर 2025 को मुंबई की 36 विधानसभाओं के 100 महाविद्यालयों के बाहर, 18-25 वर्ष आयु वर्ग के युवाओं से उनका दृष्टिकोण और सुझाव लिए गए, जिसे भाजपा के आगामी महानगरपालिका चुनाव घोषणापत्र में स्थान मिलेगा। भाजयुमो मुंबई और जिला, मंडल एवं वार्ड स्तर के सभी पदाधिकारी-कार्यकर्ताओं ने अभियान में सक्रिय भागीदारी की।

अभियान के दौरान मुंबई के भवन्स कॉलेज में युवाओं ने भाजपा मुंबई अध्यक्ष श्री अमित साटम जी के साथ अपने विचार साझा किए और इस बात पर प्रसन्नता और उत्साह व्यक्त किया कि भारतीय जनता युवा

मोर्चा मुंबई आगे बढ़कर "Gen को नीति निर्धारण और मुंबई के विकास कार्यों में सहभागी बनने का अवसर प्रदान कर रहा है।

इस अवसर पर, भाजपा मुंबई उपाध्यक्ष आचार्य पवन त्रिपाठी? ने भी युवाओं से संवाद किया और उनके विचारों को समझा। मुंबई भाजयुमो अध्यक्ष तेजिंदर सिंग तिवाना ने कहा, "Gen हमारे शहर का वर्तमान और भविष्य है।हम चाहते हैं कि मुंबई के विकास में उनका भी सक्रिय योगदान हो। हमारा लक्ष्य युवाओं को राजनीति की मुख्यधारा से जोड़ना और उनके सपनों की मुंबई को साकार करने में उन्हें सहभागी बनाना है। अभियान में युवाओं के मुद्दे, रोजगार, शिक्षा, पर्यावरण संरक्षण, डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर, ट्रैफिक प्रबंधन और सांस्कृतिक विरासत पर संवाद किया गया।

इस ऐतिहासिक पहल ने न केवल युवाओं की आवाज को मंच दिया, बल्कि उनके सुझावों को भाजपा की नीतियों व मुंबई विकास योजनाओं का आधार भी बनाया। भाजयुमो मुंबई का आवाज मुंबईकरांचा, संकल्प भाजपाचा अभियान शहर की प्रगति में युवा सहभागिता की एक नई मिसाल बन गया है।

उल्हासनगर भाजपा जिला की महिला मोर्चा की कार्यकारिणी घोषित

चेतन निर्मल संवाददाता

उल्हासनगर। भाजपा महिला मोर्चा की जिला कार्यकारिणी की घोषणा बुधवार को सम्पन्न हुई जिसमें प्रदेश महिला पदाधिकारियों, आमदार कुमार आयलानी व जिलाध्यक्ष की उपस्थिति में महिला मोर्चा की पदाधिकारियों को नियुक्ति पत्र वितरित किए गए। भाजपा जिला कार्यालय में बुधवार को महिला मोर्चा की अध्यक्षा मंगला चांडा द्वारा नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया था जहां पर भाजपा महिला प्रदेश उपाध्यक्ष मंगलताई वाघ, प्रदेश सचिव रुपालीताई लट्ठे, मनीषा केलकर, आमदार कुमार आयलानी, पूर्व महापौर मीना आयलानी, जिलाध्यक्ष राजेश वधर्या व पूर्व नगरसेवकों की उपस्थिति में नियुक्ति पत्र वितरित किया गया। कुल 91 महिलाओं की कार्यकारिणी की घोषणा महिला मोर्चा की अध्यक्षा द्वारा की गई है। आमदार कुमार आयलानी ने सभी कार्यकारिणी की महिलाओं को शुभकामना दी तथा विकास को लेकर काम करने की सलाह दी। इस दौरान पूर्व नगरसेविका अर्चना करणकाळे, कंचन लुंड, लक्ष्मी सिंह, वरिष्ठ भाजपा नेत्री सुनंदा आमोदकर, उर्मिला गुप्ता, सुरेखा पारधी, स्नेहा चुग आदि इस कार्यक्रम में उपस्थित रहीं।

चरस की बिक्री करने वाले आरोपी पर तलासरी व घोलवड पुलिस की संयुक्त कार्रवाई

कुल 12 .57 लाख रुपये मूल्य का माल जब्त

पालघर(उत्तरशक्ति)। पुलिस अधीक्षक यतीश देशमुख के निर्देशन में पालघर जिले में अवैध धंधों के खिलाफ लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में तलासरी और घोलवड पुलिस की संयुक्त टीम ने चरस की बिक्री करने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके पास से कुल 12 लाख 57 हजार रुपये का माल जब्त किया है।

उक्त घटना 6 नवंबर 2025 की बताई गई है। तलासरी पुलिस को देर रात 12:04 बजे सूचना मिली कि घोलवड पुलिस थाने के अंतर्गत चिकहल बीच इलाके में एक व्यक्ति चरस की बिक्री करने वाला है। सूचना के आधार पर तलासरी पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए घोलवड पुलिस के सहयोग से संयुक्त पथक गठित किया। सुबह करीब 4 बजे चिकहल बीच के पास एक काले रंग की होंडा शाइन (MH48-AD-2456) बाइक पर आए संदिग्ध को रोका गया। उसकी तलाशी लेने पर प्लास्टिक की थैली में चरस जैसा पदार्थ मिला। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम सायमन जेठा वक्कड (50 वर्ष), निवासी केनांक कडुपाडा, तहसील डहाणू, जिला पालघर बताया। बाइक की तलाशी के दौरान हैंडल से लटकी एक अन्य थैली से 500 ग्राम चरस बरामद हुआ, जिसकी बाजार कीमत लगभग 12 लाख रुपये बताई गई। आरोपी के पास से मोबाइल फोन और बाइक सहित कुल 12.57 लाख रुपये का माल जब्त किया गया। घोलवड पुलिस थाने में आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस अधिनियम की धारा 8(क), 20(ब)(ii) के तहत गु.र. नं. 36/2025 दर्ज किया गया है।

आरोपी को गिरफ्तार कर आगे की जांच सहायक पुलिस निरीक्षक करणे के हवाले की गई है। उक्त कार्रवाई पुलिस अधीक्षक यतीश देशमुख, अपर पुलिस अधीक्षक विनायक नरले, तथा उपविभागीय अधिकारी अंकिता कणसे के मार्गदर्शन में तलासरी थाने के पुलिस निरीक्षक अजय गोरड, घोलवड थाने के सहायक पुलिस निरीक्षक कचरे और उनकी टीम द्वारा संयुक्त रूप से की गई।

देव दीपावली पर मुंबई भाजपा ने किया काशी विश्वनाथ घाट से सीधा प्रसारण

मुंबई (उत्तरशक्ति)। भाजपा मुंबई द्वारा हिंदू संवाद महोत्सव का कार्यक्रम वाराणसी के गंगा घाट से गंगा आरती एवं देव दीपावली का लाइव प्रसारण मुंबई के सभी लोकसभा क्षेत्रों में 8 स्थानों पर किया गया।इसमें शामिल भक्तों ने आरती एवं दीपक जलाकर कार्यक्रम को भव्य बनाते हुए सनातन परंपराओं के संरक्षण का संकल्प लिया। इस कार्यक्रम में प्रमुख उपस्थिति कैबिनेट मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा, विधायक मिहिर कोटेचा, विधायक कैप्टन तमिल सॉल्विन, श्री सिद्धिविनायक मंदिर ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष मुंबई भाजपा उपाध्यक्ष आचार्य पवन त्रिपाठी, जिला अध्यक्ष दीपक बाला तावड़े, एड. ज्ञान मूर्ति शर्मा, वीरेंद्र महात्रे, दीपक दलवी, शलाका ताई, नीरज उभारे, मा.नगर सेवक कमलेश यादव, रवि राजा, संगीता शर्मा, कृष्णा बेन रेड्डी, श्री निवास तिवारी मुंबई भाजपा सचिव प्रमोद मिश्रा, उत्तर भारतीय मोर्चा मुंबई अध्यक्ष जय प्रकाश सिंह, झोपड़पट्टी मोर्चा मुंबई अध्यक्ष आर डी यादव, जिला महामंत्री नितिन बनकर, अप्पा बेलवरकर, संदीप घूघे, लोरिक यादव, एवं भाजपा नेता नितेश सिंह, कमलेश शुक्ला, बलवंत वर्मा, रमाकांत गुप्ता, रेशमा महेश चौगुले, संजय यादव, राजन सिंह, दिवेश यादव, एड विकाश सिंह, रश्मि उपाध्याय, दीपू सिंह, अजय चौरसिया की रही। सभी स्थानों पर भारी संख्या में पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं भक्तगण शामिल हुए और इससे कार्यक्रम सफलता की नई ऊंचाई पर पहुंचा।

50 लाख की निधि से सुरक्षा दीवार बनाने का भूमिपूजन

पूर्व महापौर रमेश जाधव के हांथो भूमिपूजन

कल्याण। कल्याण पूर्व के साईं नगर वार्ड 96 में खड़ेगोलावली नाले की सुरक्षा दीवार का निर्माण कार्य शुरू हो गया है। जिसका भूमिपूजन केडीएमसी के पूर्व महापौर रमेश जाधव ने किया है। नाले की दीवार टूटने से मानसून के दौरान पानी ओवरफ्लो होकर पूरे क्षेत्र में घुस जाता था, जिससे नागरिकों की संपत्ति को भारी नुकसान हुआ है। अब निर्माण कार्य से इस समस्या का समाधान होने की उम्मीद है।

इस गंभीर समस्या की ओर ध्यान देते हुए, नगरसेवक एवं पूर्व महापौर रमेश जाधव के प्रयासों से, तत्कालीन आयुक्त सूर्यवंशी, पूर्व आयुक्त इंदुरानी जाखड़ और वर्तमान आयुक्त अभिनव गोयल ने परियोजना का निरीक्षण किया और तुरंत केडीएमसी बजट में 50 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की।

चार वर्षों के इंतजार के बाद, आखिरकार बुधवार को इस कार्य का शिलान्यास समारोह आयोजित किया गया। इस समारोह के बाद, सुरक्षा दीवार का कार्य औपचारिक रूप से शुरू हो गया है, जिससे स्थानीय नागरिकों को बड़ी राहत मिली है।इस अवसर पर पूर्व नगरसेविका रेखा रमेश जाधव सहित सर्वश्री बुआ पावशे, जगदीश जाधव, प्रमोद परब, शारदा चव्हाण, सारिका जाधव, नलिनी गायकवाड़ चव्हाण, राणे, भोसले, गमरे तथा चाली के नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

महिलाओं को घरेलू सामान के 300 से अधिक किट वितरित

श्रीकांत शिंदे फाउंडेशन और मातोश्री गुंजाई फाउंडेशन का संयुक्त प्रयास

कल्याण । कल्याण पूर्व क्षेत्र की लगभग 100 से ज्यादा कामकाजी महिलाओं को सरकारी योजना के माध्यम से घरेलू सामानों के 300 से अधिक किट वितरित किए गए। इस पहल में भाग लेने वाली महिलाओं को विभिन्न प्रकार की कुल 30 घरेलू वस्तुएँ प्रदान की गईं। इससे महिलाओं को घरेलू ज़िम्मेदारियों में कुछ राहत मिलेगी और उनका श्रम भी बचेगा।

कार्यक्रम जनसेवक महेश गायकवाड़ की पहल पर आयोजित किया गया था। सामाजिक कार्यों की इसी परंपरा को जारी रखते हुए, गायकवाड़ ने सरकार की विभिन्न योजनाओं के माध्यम से कामकाजी महिलाओं की समस्याओं के समाधान हेतु सहायता प्राप्त करने का प्रयास किया है।

इस अवसर पर बोलते हुए गायकवाड़ ने कहा, कामकाजी महिलाएँ समाज की रीढ़ हैं। उनके जीवन स्तर को बेहतर बनाने और उनकी घरेलू जरूरतों को पूरा करने के लिए, हम ऐसी योजनाओं के माध्यम से उन्हें सहायता प्रदान कर रहे हैं। यह कार्य और भी व्यापक रूप से जारी रहेगा। स्थानीय नागरिकों ने इस पहल का उत्साहपूर्वक स्वागत किया है और महिलाओं ने इसके लिए फाउंडेशन का आभार व्यक्त किया है। इस कार्यक्रम ने डॉ. श्रीकांत शिंदे फाउंडेशन और मातोश्री गुंजाई फाउंडेशन के संयुक्त प्रयासों से महिलाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के संकल्प को दृढ़ता से प्रदर्शित किया। इस अवसर पर नीलेश रसाल, अविनाश गायकवाड़ और अन्य पदाधिकारी तथा महिला कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित थीं। कार्यक्रम का संचालन प्रशांत बोटे ने किया।

मुंबई में नि:शुल्क कैंसर जांच शिविरों का आयोजन

मुंबई। रोटरी क्लब ऑफ मुंबई नोवा ने मुंबई के विभिन्न रोटरी क्लबों (डिस्ट्रिक्ट 3141) और यूई लाइफसाइंसेज के सहयोग से आयोजित रोटरी सर्विस डे के तहत 5 नवंबर को महिलाओं के लिए एक ऐतिहासिक निवारक स्वास्थ्य अभियान सफलतापूर्वक संपन्न किया। इस एक-दिवसीय पहल के तहत कोलाबा से बोईसर और वीटी से मुलुंड तक फैले 30 रणनीतिक रूप से चयनित शिविरों में 1,000 महिलाओं की निःशुल्क, बिना दर्द और बिना किसी आक्रामक प्रक्रिया के स्तन जांच की गई। इन जांचों में यूई लाइफसाइंसेज की एआई-संचालित पोर्टेबल डिवाइस का उपयोग किया गया। यह संयुक्त प्रयास रोटरी के सशक्त सामुदायिक नेटवर्क और यूई लाइफसाइंसेज की अभिनव स्वास्थ्य तकनीक को एक साथ लाकर महिलाओं में कैंसर की शुरूआती पहचान और स्वास्थ्य जागरूकता को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ। इस अभियान में जांच के लिए यूई लाइफसाइंसेज की क्रांतिकारी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सक्षम मेडिकल डिवाइस iBreastExam का उपयोग किया गया, जिसे कैंसर की शुरूआती पहचान को सुलभ, किफायती और कलंक-मुक्त बनाने के उद्देश्य से विकसित किया गया है। iBreastExam एक दर्द-रहित, विकिरण-मुक्त और गैर-आक्रामक हैंड-हेल्ड डिवाइस है, जो स्तन ऊतक की लचीलेपन में सूक्ष्म अंतर पहचानकर असामान्यता के शुरूआती संकेतों का पता लगाने में सक्षम है – वह भी तब, जब बाहरी लक्षण अभी दिखाई नहीं देते। यह नवाचार पारंपरिक स्वास्थ्य अवसंरचना की सीमाओं वाले सामुदायिक क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर सटीक जांच को संभव बनाता है। डॉ. मनीष मोटवानी, डिस्ट्रिक्ट गवर्नर, रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3141 ने कहा, रोटरी सर्विस डे हमारे उस सफर का एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, जिसका उद्देश्य सभी के लिए निवारक स्वास्थ्य देखभाल सुनिश्चित करना है। इन 30 शिविरों के माध्यम से हम सिर्फ जांच नहीं कर रहे, बल्कि महिलाओं को अपने स्वास्थ्य और कल्याण की जिम्मेदारी स्वयं लेने के लिए सशक्त बना रहे हैं। यूई लाइफसाइंसेज के साथ हमारा यह सहयोग इस बात का प्रतीक है कि रोटरी नवाचार और साझेदारी के जरिए समाज पर सकारात्मक और स्थायी प्रभाव डालने के लिए प्रतिबद्ध है। गौरी नवलकर गोडसे, डायरेक्टर और मुख्य कार्यकारी अधिकारी, यूई लाइफसाइंसेज (इंडिया) ने कहा, हहम इस शहरव्यापी पहल के लिए रोटरी के साथ साझेदारी करने पर गर्व महसूस करते हैं। रोटरी के जमीनी नेटवर्क को हमारी एआई-संचालित तकनीक से जोड़कर हम यह दिखा रहे हैं कि करुणा और तकनीक मिलकर समुदायों के स्वास्थ्य में किस प्रकार परिवर्तन ला सकती हैं। पूरा अभियान सुबह 8:00 बजे शुरू होकर शाम 5:00 बजे तक चला। मुंबई के प्रमुख सामुदायिक केंद्रों – जैसे एसडब्ल्यूईएस स्कूल (सांताक्रूज), बीएमसी क्लिनिक (गोरेगांव ईस्ट), लक्ष्मी नारायण बाग (माहीम), राहुल नगर मुलुंड कॉलोनी, महाराष्ट्र नगर (मानखुर्द), चिन्मय नर्सिंग होम (वडाला), आईआईटी पवई सिनेमा ग्राउंड और डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर हॉस्पिटल (विक्रोली) – सहित कई अन्य स्थानों पर जांच शिविर आयोजित किए गए। प्रत्येक शिविर में लगभग 40 से 50 महिलाओं की जांच की गई।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालयः
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

मामूली विवाद में युवक को चाकू मारकर किया घायल

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कोतवाली क्षेत्र के अन्तर्गत सुरिस गांव निवासी एक युवक को तहसील मुख्यालय के समीप मामूली कहासुनी के दौरान एक युवक ने चाकू से हमला कर दिया। जिसमें गंभीर रूप से घायल हो गया। मौके पर मौजूद लोगों ने परिजनों को सूचना दे इलाज हेतु राजकीय चिकित्सालय में भर्ती कराया।

क्षेत्र के सुरिस गांव निवासी 20 वर्षीय अरनभ उर्फ प्रियांशु पुत्र प्रभाकर सिंह उर्फ बमबम बुधवार की रात साढ़े सात बजे के तहसील मुख्यालय के बगल एक नारियल पानी की दुकान पर खड़े थे। वहीं

एक नामजद व एक अज्ञात के विरूद्ध मुकदमा दर्ज

कुछ अन्य युवक भी खड़े थे। किसी बात को लेकर दोनों में कहासुनी होने लगी। जिसमें एक युवक ने चाकू से अरनभ के ऊपर हमला बोला दिया। जिसके चलते गंभीर रूप से घायल हो गया। मौके पर मौजूद लोगों ने पुलिस व परिजनों को घटना की सूचना दे इलाज हेतु राजकीय चिकित्सालय में भर्ती कराया। जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उक्त घायल की हालत गंभीर देख बेहतर इलाज हेतु जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया। वहीं सूचना पर मौके पर पहुंचे पुलिस उपाधीक्षक अजीत सिंह चौहान ने बताया कि घायल के चाचा धमेंद्र सिंह की तहरीर पर एक नामजद व एक अज्ञात के विरूद्ध मुकदमा दर्ज कर आरोपित की तलाश में जुटी हुई है।

सत्ता पक्ष को आइना दिखाना पत्रकारिता का मूल धर्म: रितेश अग्रवाल

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। आइडियल जर्नलिस्ट एसोसिएशन का 25 वां स्थापना दिवस रजत जयंती के रूप में दिल्ली के श्री ऑल इंडिया श्वेतांबर स्थानकवासी जैन कांफ्रेंस हॉल में मंगलवार की देर शाम तक मनाया गया। कार्यक्रम में देश के कई राज्यों से पत्रकार शामिल हुए। मुख्य अतिथि दिल्ली प्रांत राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचार प्रमुख रितेश अग्रवाल रहे। अध्यक्षता संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ प्रमोद वाचस्पति ने की।

कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलन एवं मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण करके किया। पत्रकारों को स्मृति चिन्ह प्रशस्ति पत्र एवं अंगवस्त्रम भेंट करके सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि ने कहा कि पत्रकारिता तलवार की धार के समान

आइडियल जर्नलिस्ट एसोसिएशन का 25 वां स्थापना दिवस रजत जयंती के रूप में मनाई गई

है। सभी पत्रकारों को लोकतंत्र को मजबूती दिलाने की दिशा में काम करना चाहिए। सत्ता पक्ष को आइना दिखाना ही पत्रकारिता का धर्म है। उन्होंने संगठन के प्रयासों को सराहा। प्रमुख वक्ता के रूप में पूर्व कुलपति प्रोफेसर राम मोहन पाठक, विशिष्ट अतिथि डॉ अमित राय जैन एवं

सीकर विश्वविद्यालय राजस्थान के कुलपति प्रोफेसर अनिल कुमार राय रहे। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ प्रमोद वाचस्पति ने बताया कि संगठन पूरे देश के सभी पत्रकारों के खिलाफ होने वाले अन्याय, अत्याचार और उत्पीड़न के लिए संघर्षरत है। उन्होंने कहा कि पत्रकारों के साथ अन्याय और अत्याचार किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।महाराष्ट्र के प्रदेश अध्यक्ष अनिल शिवाजी रतन कांबले एवं आयोजक दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष प्रशांत जैन ने भी संबोधित किया। इस मौके पर राष्ट्रीय सचिव डॉ राजेश जैन, राष्ट्रीय प्रमुख महासचिव प्रवक्ता संजय पांडेय सरस, प्रदेश उपाध्यक्ष मोहित जैन, महासचिव रजनीश जैन, इंद्रजीत तिवारी निर्भीक, विजय कुमार विश्वकर्मा, मनोज कुमार पांडेय, डॉक्टर बृजेश यदुवंशी, सुशील कुमार स्वामी, विनोद कुमार मिश्रा, रजनीश जैन, श्रेयांश जैन, अनूप विजय, गौरव जैन, राहुल जैन, शशांक जैन समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

माँ शीतला चौकियां धाम में हुआ देव दीपावली महोत्सव का आयोजन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। माँ शीतला चौकियां धाम में आज देव दीपावली महोत्सव का आयोजन श्रद्धा और उत्साह के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र एवं मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खाड़िया ने मां शीतला का दर्शन-पूजन कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

जिलाधिकारी ने इस अवसर पर कहा कि मुख्यमंत्री के निदेर्शानुसार जनपद में सभी त्यौहार आपसी सद्भाव, भाईचारे और उत्साहपूर्वक मनाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज मां शीतला धाम में आकर अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। भविष्य में भी ऐसे दिव्य और भव्य आयोजनों को निरंतर आयोजित किया जाना चाहिए। जिलाधिकारी ने मां शीतला से समस्त जनपदवासियों के सुख-समृद्धि और मंगल की कामना भी की।

देव दीपावली के अवसर पर मंदिर परिसर को आकर्षक झालरों और रंग-बिरंगी लाइटों से सजाया गया, जिससे पूरा वातावरण भक्ति और प्रकाश से आलोकित हो उठा। इस दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया।

इस अवसर पर नगर पालिका परिषद जौनपुर के अधिशासी अधिकारी पवन कुमार सहित अनेक श्रद्धालु, अधिकारी एवं गणमान्य नागरिक सहित अन्य उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी ने क्रॉप कटिंग का किया निरीक्षण, उपज का कराया आकलन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र ने बुधवार को खलीलपुर गांव में

आयोजित धान फसल की सीसीई एग्री ऐप द्वारा क्रॉप कटिंग का निरीक्षण किया। यह क्रॉप कटिंग जनपद में धान के उत्पादन और उत्पादकता का आकलन करने के उद्देश्य की गई, जिससे किसानों को उचित मूल्य मिल सके।

तहसील सदर क्षेत्र के अंतर्गत खलीलपुर गांव के किसान भारत पुत्र बाबूराम के खेत पर 43.3 वर्ग मीटर क्षेत्र में धान की फसल काटी गई, कटाई के बाद धान का वजन 19.05 किलोग्राम प्राप्त हुआ जिसके आधार पर प्रति हैक्टेयर उत्पादकता 43.99 कुंतल प्रति हेक्टेयर आकी गई, इस मौके पर जिलाधिकारी ने किसानों से सीधा संवाद भी किया।

उन्होंने फसल कटाई कर रहे कृषकों को अंगवस्त्रम देकर सम्मानित करते हुए किसानों को बताया कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत किसानों को क्षतिपूर्ति का भुगतान करने के लिए क्राप कटिंग के आंकड़े महत्वपूर्ण होते हैं, इस दौरान जिलाधिकारी ने किसानों से अपने नजदीकी क्रय केंद्र पर धान बेचने की अपील की ताकि उचित मूल्य मिल सके, उन्होंने पराली न जलाने की भी अपील की जिससे पर्यावरण प्रदूषण रोका जा सके और मिट्टी की उर्वरता अक्षुण्ण एवं कायम रहे। इस दौरान कुछ मुसहर समुदाय के लोगों का आवास पट्टा भी किया गया।

इस अवसर पर उप परियोजना निदेशक 'आत्मा' डा. रमेश चंद्र यादव, तहसीलदार सदर, सहायक सांख्यिकी अधिकारी, भूलेख एसपी सिंह, बीमा प्रतिनिधि सहित कृषि एवं राजस्व विभाग के अधिकारी तथा किसान मौजूद रहे।

यातायात माह के दौरान प्रमुख चौराहों/तिराहों पर लोगों को यातायात नियमों के बारे में किया गया जागरूक

319 वाहनों का हुआ चालान, 10 वाहनों को किया गया सीज

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। माउण्ट लिट्रा स्कूल, फतेहगंज, जौनपुर में 350 बच्चों के माध्यम से यातायात

जागरूकता से सम्बन्धित क्विज, संभाषण, रंगोली, चित्रकला, पोस्टरकला एवं नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रवर्तन की संयुक्त कार्रवाई में 319 वाहनों का हुआ चालान एवं 10 वाहनों को सीज किया गया।

जौनपुर क्षेत्राधिकारी यातायात सुनील चन्द्र तिवारी व प्रभारी निरीक्षक यातायात सुशील कुमार मिश्रा के द्वारा यातायात माह नवम्बर 2025 के दौरान आज माउण्ट लिट्रा स्कूल, फतेहगंज, जौनपुर में 350 बच्चों के माध्यम से यातायात जागरूकता से सम्बन्धित क्विज, संभाषण, रंगोली, चित्रकला, पोस्टरकला एवं नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिता आयोजित किया गया, तथा सभी बच्चों को यातायात नियमों की शपथ दिलायी गयी । तथा विद्यालय के वाहन चालको को निर्धारित मानक जैसे एक आपातकालीन द्वार जिसका आकार 150 से.मी. गुणे 120 से.मी. का हो और जिसे अन्दर की ओर से तथा बाहर की ओर खोला जा सकता हो, लगा हो। लोकेशन ट्रैकिंग डिवाइस से युक्त हो, सी०सी०टी०वी० कैमरे से युक्त हो सीट से अधिक बच्चों को ना बैठाये, आदी के बारे में जानकारी दिया गया । साथ ही शहर के प्रमुख चौराहा/तिराहों पर लोगों को यातायात नियमों के बारे में जागरूक करते हुए सड़क पर वाहनों को खड़ा करके दुर्घटना का कारण बनने व जाम लगाने वाले वाहनों को उनके मालिकों को आगे ऐसा न करने की चेतावनी देते हुये हटवाया गया न हटाने वाले वाहनों के विरुद्ध नियमानुसार कार्यवाही की गयी। तथा लाउडस्पीकर से अनाउंसमेंट कर यातायात नियमों के बारे में जागरुक किया गया। हेलमेट व सिटबेल्ट लगा करके वाहन चलाने, मोटर साइकिल में तीन सवारी ना बैठाना, हाई स्पीड वाहन न चलाना व वाहनों के शिशों में काली फिल्म न लगानें तथा उससे हो रही दुर्घटनाओं को कम करनें के बारे में जागरूक किया गया तथा प्रवर्तन की कार्यवाही में 319 वाहनों का चालान व 10 वाहनो को सीज किया गया।

नदी में डूबने से किशोरी की मौत

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। केराकत कोतवाली क्षेत्र में एक युवती की नदी में डूबने से मौत हो गई। मृतका की पहचान 16 वर्षीया सेजल यादव पुत्री स्वर्गीय केदार यादव के रूप में हुई है। यह घटना केराकत के कुसरना महादेवा जोखुआन घाट का है। बताते है कि उक्त किशोरी बकरी चराने गई थी। इस दौरान उसे मिर्गी का दौरा पड़ा, जिसके कारण वह अपना संतुलन खो बैठी। इसके कारण वह अचानक नदी में गिर गई। गांव वालों ने तत्काल घटना की सूचना पुलिस को दी। पुलिस और स्थानीय लोग युवती के शव की तलाश में जुटे हुए हैं। लेकिन अभी तक उसका शव बरामद नहीं हो सका है। परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है। बता दें कि सेजल आठवीं पास थी।

गंगा में नहाने गया युवक डूबा, गोताखोरों की मदद से तलाश जारी

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद के रोहनिया थाना क्षेत्र के शुलटंकेश्वर घाट पर बुधवार को गंगा स्नान के दौरान एक युवक डूब गया। मृतक की पहचान सुंदर 25 वर्ष पुत्र सुरेश निवासी खुशीपुर के रूप में हुई है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार सुंदर सुबह गंगा स्नान कर रहा था, लेकिन कुछ ही देर बाद वह गहरे पानी में चला गया और लापता हो गया। मौके पर मौजूद लोगों ने शोर मचाया, जिसके बाद स्थानीय गोताखोरों और पुलिस को सूचना दी गई। रोहनिया पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और गोताखोरों की मदद से शव की तलाश शुरू कराई। दोपहर तक युवक की खोजबीन जारी थी। पुलिस ने बताया कि शव मिलने के बाद पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा जाएगा।

मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता शिविर 6 नवम्बर को

शाहगंज, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. लक्ष्मी सिंह के आदेश पर शाहगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में गुरुवार को मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया है। सीएचसी अधीक्षक डा. रफीक फारूकी ने बताया कि शिविर में आम जनमानस को समस्या के प्रति जागरूक किया जायेगा। इसमें विशेषज्ञ चिकित्सक मरीजों को उचित परामर्श देंगे। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य मानसिक बीमारी के प्रति समाज में सकारात्मक संदेश देना है। यह बीमारियां शारीरिक बीमारियों की तरह उपचार के बाद ठीक होंगे। इससे स्वास्थ्य के प्रति लोग जागरूक होंगे। इसका पंजीकरण निशुल्क होगा। पात्र दिव्यांग भी लाभान्वित होंगे। उन्होंने लोगों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर स्वास्थ्य सेवा का लाभ लेने की अपील की है। इसका पंजीकरण निशुल्क होगा।

डिवाइडर हटाने को लेकर दुकानदारों ने किया विरोध प्रदर्शन

मुंगराबादशाहपुर, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जौनपुर प्रयागराज मार्ग स्थित मछली शहर रोड पर डिवाइडर लगने से आए दिन भारी वाहन डिवाइडर से टकराकर वाहन क्षतिग्रस्त और लोग गंभीर रूप से घायल हो जा रहे हैं। नाराज स्थानीय दुकानदारों ने गुरुवार को जमकर प्रदर्शन किया। दुकानदारों ने डिवाइडर हटाने और सड़क के किनारे पटरियां और नालियों की मरम्मत की मांग की। मछलीशहर रोड पर डिवाइडर लगने से रास्ता बहुत ही सकरा हो गया है, जिससे आए दिन भारी वाहन डिवाइडर में टकराकर क्षतिग्रस्त हो जा रहे हैं। दो पहिया वाहन से लोग टकराकर गंभीर रूप से घायल हो जा रहे हैं। डिवाइडर से टकराकर कई वाहन क्षतिग्रस्त हो गए हैं। रास्ता काफी सकरा होने के कारण भारी वाहनों को पटरियों से होकर गुजरना पड़ रहा है, जिससे सड़क के बगल बनी पटरियां और नाली गड्ढा में तब्दील हो गई हैं। रोजाना भारी वाहनों को गुजरने से तीन से चार फीट का गड्ढा हो जाने के कारण से सड़क के किनारे बने घरों के बारजे से टकराकर कई मकान क्षतिग्रस्त हो गए हैं। आए दिन ट्रक, ट्रेलर व बस पटरियों से होकर गुजरने से दुकानों के ऊपर पलटने का डर बना रहता है। कई भारी वाहनों से दुकानदारों का टीन सेट क्षतिग्रस्त हो चुका है। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि अगर जल्द ही डिवाइडर नहीं हटाया गया और पटरियों व नालियों की मरम्मत नहीं की गई, तो वे आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे, जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।विरोध प्रदर्शन करने वालों में सुनील उमरवैश्य, उर्मिला गुप्ता, ओम प्रकाश, रामबाबू उमरवैश्य, मकसूद, साहेब आलम, अवधेश गुप्ता, इमामुद्दीन, रंजीत गुप्ता, भीम भोजवाल, प्रदीप भोजवाल, शंकर लाल, सचिन, पवन गुप्ता आदि शामिल रहे।

अनियमितता के आरोप में ग्राम प्रधान निलंबित

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। जिला प्रशासन ने भ्रष्टाचार के आरोपों पर बड़ी कार्रवाई करते हुए ग्राम पंचायत बड़हरिया (विकास खंड मिजार्पुर) की महिला प्रधान फरहत को निलंबित कर दिया है। जांच में टेंडर प्रक्रिया से लेकर भुगतान तक में गंभीर वित्तीय अनियमितताएँ साबित हुईं। डीएम ने प्रधान को वित्तीय एवं प्रशासनिक शक्तियों से तत्काल प्रभाव से विरत करते हुए मुख्य पशु चिकित्साधिकारी आजमगढ़ को अंतिम जांच अधिकारी नामित किया है। जांच रिपोर्ट के अनुसार ग्राम पंचायत के कार्यों में स्ट्रीट लाइट, हैंडपंप रिबोर और सीमेंट बेंच निर्माण में नियमों की खुली अनदेखी की गई।

स्ट्रीट लाइट घोटाला: 75 स्ट्रीट लाइटों का टेंडर बिना स्वीकृति के 16 जून 2021 को खोला गया, जबकि स्वीकृति 9 जनवरी 2022 को मिली। एम/एस माई कंस्ट्रक्शन नामक फर्म को रू0 2,94,000 का भुगतान किया गया, जिससे सरकार को रू044,286.75 का नुकसान हुआ। मौके पर हरिजन बस्ती में 13 की जगह 6 और यादव बस्ती में 24 की जगह 12 लाइटें ही लगाई गईं।

हैंडपंप रिबोर में गड़बड़ी: कार्य स्वीकृति से पहले ही कोटेशन लिए गए। ?66,096 की अनियमितता दर्ज हुई।

सीमेंट बेंच टेंडर फजीर्वाड़ा: टेंडर 16 जून 2021 को खोला गया, जबकि स्वीकृति 20 अगस्त 2021 को मिली। रू01,95,000 की गड़बड़ी पाई गई। सभी कार्यों में एक ही फर्म को रू011.82 लाख के टेंडर दिए गए, जो निविदा नियमों का स्पष्ट उल्लंघन है।

नदी में डूबी किशोरी मौत, परिजनों में मचा कोहराम

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। केराकत कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत कुसरना महादेवा जोखुआन घाट पर एक युवती की नदी में डूबने से मौत हो गई। जानकारी के अनुसार मृतिका की पहचान सेजल यादव पुत्री स्व. केदार यादव उम्र 16 वर्ष के रूप में हुई। किशोरी बकरी चराने गई थी, उसी दौरान उसे मिर्गी का दौरा पड़ा। जिसके कारण वह अपना संतुलन खो बैठी। गांव वालों ने तत्काल घटना की सूचना पुलिस को दी। सूचना पाकर मौके पर क्षेत्राधिकारी अजीत कुमार रजक व प्रभारी निरीक्षक दीपेंद्र सिंह मय हमराह के साथ पहुंच और स्थानीय लोगो की मदद से

मिर्गी का दौरा आने से हुआ हादसा, शव की तलाश में जुटे गोताखोर

युवती के शव की तलाश में जुट गए। वही कड़ी मशक्कत के बाद युवती के शव को नदी से बाहर निकाला गया। जिसके बाद पुलिस ने शव को कब्जे में कर पोस्टमार्टम भेज आवश्यक कार्रवाई में जुट गई। बता दे की सेजल यादव के परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है। सेजल कक्षा आठवीं की छात्रा बताई जा रही हैं।

मानीकलां में विवाहिता ने फांसी लगाकर की आत्महत्या, पुलिस ने शुरू की जांच

आफताब आलम, मानीकलॉ,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। खेतासराय थाना क्षेत्र के मानीकलां गांव में बृहस्पतिवार को एक विवाहिता ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। मृतका की पहचान 23 वर्षीय काजल के रूप में हुई है। उसकी शादी लगभग एक साल पहले मानीकलां निवासी महेश्वर प्रसाद उर्फ एम पी से हुई थी। काजल मूल रूप से सरायमीर थाना क्षेत्र के कौरागहनी गांव की रहने वाली थी।काजल के पति महेश्वर प्रसाद रोजी-रोटी की तलाश में लखनऊ में ओला कंपनी में कार चलाते हैं। वह दीपावली की छुट्टी पर घर आए थे और दो-तीन दिन पहले ही वापस लखनऊ गए थे। इसके बाद बृहस्पतिवार को काजल ने यह कदम उठाया।खेतासराय पुलिस ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और मामले की जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस ने परिजनों से तहरीर मिलने पर आगे की कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

संस्कार भारती प्रयागराज महानगर इकाई की भव्य दिपावली परिवार मिलन समारोह संपन्न

संस्कार भारती के सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं कवि सम्मेलन ने मचाई धूम

प्रयागराज (उत्तरशक्ति)। संस्कार भारती प्रयागराज महानगर इकाई की ओर से महाराष्ट्र लोक सेवा मंडल के सभागार में दीपावली परिवार मिलन समारोह इकाई की महिला शक्ति संयोजिका रंजना त्रिपाठी के ध्येयगीत से आरंभ हुआ।इकाई के संरक्षक डा.योगेन्द्र कुमार मिश्र विश्वबन्धु ने कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी के अध्यक्ष डा.जयन्त खोत,विशिष्ट अतिथि इलाहाबाद विश्वविद्यालय संगीत विभागाध्यक्ष प्रो.प्रेमकुमार मलिक का पुष्पहार एवं अंगवस्त्र से स्वागत किया। प्रयागराज महानगर की अध्यक्ष डा.ज्योति मिश्रा ने अपने स्वागत उद्बोधन से समस्त अतिथिगण का स्वागत किया। प्रतिष्ठित तबला गुरू एवं प्रयागराज घराने के संस्थापक पं.अनूप बनर्जी और उनके शिष्यों ने गणेश वन्दना के साथ भाव-नृत्य की प्रस्तुति दी। विश्वविद्यालय इकाई के पंकज कुमार तथा संतोष पाण्डेय के भजनों ने श्रोताओं को मन्त्रमुग्ध कर दिया

एवं रंजना त्रिपाठी ने लोकगीतों की शानदार प्रस्तुति से सबको आल्हादित कर दिया।

सांस्कृतिक कार्यक्रम उपरांत वरिष्ठ गीतकार एवं इकाई के कोषाध्यक्ष शंभूनाथ श्रीवास्तव के अध्यक्षता में कवि-सम्मेलन का आयोजन हुआ जिसमें विख्यात कवि नजर इलाहाबादी, शरद श्रीवास्तव, हृदय नारायण पाण्डेय अनजान एवं प्रख्यात कवि-कलाकार रवीन्द्र कुशवाहा ने अपनी शानदार कविताएं सुनाकर दर्शकों की तालियां बटोरी। संस्कार भारती के पदाधिकारी सुशील कुमार राय, प्रेमलता मिश्रा,रेखा तिवारी, डॉ.सचिन सैनी, प्रियंका चौहान, रागिनी चंद्रा, कैलाशनाथ श्रीवास्तव, पूनम राय, मंजुला सक्सेना, राजकुमारी कुशवाहा एवं सौम्या चौरसिया आदि ने कार्यक्रम में उपस्थित रहकर कलाकारों का उत्साह वर्धन किया। आभार-ज्ञापन इकाई के महामंत्री विभव शंकर एवं मंच-संचालन डाडॅअशोक शुक्ला ने किया।

दो युवकों ने बस कंडक्टर पर हमला किया, पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वाराणसी से लखनऊ जा रही रोडवेज बस (गाड़ी संख्या यूपी78 केटी1764) के कंडक्टर के साथ लाइन बाजार थाना क्षेत्र में सोमवार को मारपीट और लूट की घटना सामने आई। पुलिस के अनुसार, बस के कंडक्टर ने पॉलिटेक्निक कॉलेज से सवार हुए दो युवकों से टिकट लेने का अनुरोध किया। जिसके बाद विवाद बढ़ गया। आरोप है कि इसी दौरान युवकों ने कंडक्टर के साथ मारपीट की और उसका मोबाइल फोन तथा नकदी छीनी। घटना की सूचना कंडक्टर ने तुरंत पुलिस को दी, लेकिन पुलिस लगभग एक घंटे बाद ही मौके पर पहुंची। इस दौरान बस चालक ने गाड़ी सड़क पर रोक दी, जिससे मार्ग पर यातायात बाधित हुआ और जाम लग गया। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने मौके पर

पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित किया। फिलहाल मामले में प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि सार्वजनिक परिवहन में किसी भी प्रकार की असामान्य स्थिति में तुरंत डायल 112 नंबर पर संपर्क करें।

सत्यापन न होने से नहीं हो पा रही है धान की खरीद, किसान परेशान

केराकत,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मोथा तूफान के कारण असमय हुई तेज बारिश से धान का उत्पादन प्रभावित होने से जहां किसान चिंतित है, वहीं धान की खरीद न होने से उनकी परेशानी और बढ़ गई है। बारिश के पहले कटे धान को बेचने के लिए किसान भटक रहा है। क्रय केंद्रों पर खरीद न होने का कारण धान खरीद के लिए कराए गए रजिस्ट्रेशन का सत्यापन न होना बताया जा रहा है। सत्यापन के लिए किसान तहसील का चक्कर लगा रहा है लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो रही है।

विकास खंड डोभी में विपणन केंद्र डोभी को धान क्रय केंद्र निर्धारित किया गया है। एक नवंबर से खरीद की जानी थी लेकिन अभी तक धान खरीद शुरू नहीं की जा सकी है। विपणन केंद्र डोभी के प्रभारी वरिष्ठ विपणन निरीक्षक सुरेश यादव का कहना है कि धान खरीद के लिए हम तैयार है। किसान लेकर आए। जिनका सत्यापन हो गया है उनका धान लिया जाएगा। बगैर सत्यापन खरीद कैसे हो पाएंगी। किसान रजिस्ट्रेशन तो धान बिक्री के लिए करा लिए है लेकिन सत्यापन नहीं हो पा रहा है। बारिश के पहले कटे धान को बेचने के लिए किसान क्रय केंद्र से लेकर तहसील तक चक्कर लगा रहा है लेकिन कहीं सुनवाई नहीं हो रही है। प्रकृति की मार झेल चुके किसान सरकारी अधिकारियों के उदासीन रवैये से चिंतित व परेशान हैं।

थुंही गांव के किसान योगेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि धान बेचने के लिए रजिस्ट्रेशन कराया गया है। सत्यापन के लिए तहसील गया जहां बताया गया कि अभी सिस्टम काम नहीं कर रहा है। वहीं वरिष्ठ किसान मधुसूदन सिंह का कहना है कि रजिस्ट्रेशन कराए एक पखवारा बीत गया लेकिन तहसील द्वारा सत्यापन नहीं किया गया जबकि मेरे जमीन में कोई हिस्सेदारी नहीं है। पूरी जमीन मेरे ही नाम से है। फिर भी सत्यापन में तहसील कर्मियों द्वारा लापरवाही बरती जा रही है। धान की बिक्री न होने से परेशानी हो रही है।

जिला खाद्य विपणन अधिकारी अमित द्विवेदी ने बताया कि केराकत तहसील में धान बिक्री के लिए 652 किसानों ने रजिस्ट्रेशन कराया है। 109 किसानों का सत्यापन हुआ है। शेष का किया जाना है। सत्यापन करना तहसील प्रशासन का कार्य है। धान खरीद के लिए क्रय केंद्र प्रभारी तैयार बैठे हैं। जिनका सत्यापन हो चुका है वो किसान ले जाकर धान दे सकते हैं। सत्यापन के संदर्भ में एसडीएम साहब से वार्ता हुई हैं। सत्यापन में तेजी लाने के उन्होंने संबंधित को निर्देशित किया है।

रिजर्व पुलिस लाइन में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का किया गया आयोजन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। रिजर्व पुलिस लाइन, जौनपुर स्थित बहुद्देशीय हाल में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक नगर आयुष

अपर पुलिस अधीक्षक नगर की उपस्थिति में पुलिस कर्मियों ने किया रक्तदान

श्रीवास्तव की उपस्थिति में पुलिस विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारियों द्वारा उत्साहपूर्वक रक्तदान किया गया। रक्तदान शिविर में पुलिसकर्मियों ने समाजसेवा की भावना के तहत बढ़-चढ़कर भाग लिया और यह संदेश दिया कि रक्तदान मानवता की

सर्वोत्तम सेवा है।अपर पुलिस अधीक्षक नगर द्वारा शिविर में उपस्थित रक्तदाताओं को प्रोत्साहित करते हुए कहा गया कि प्रत्येक स्वस्थ व्यक्ति को समाजहित में रक्तदान अवश्य करना चाहिए, क्योंकि इससे न केवल जरूरतमंदों का जीवन बचाया जा सकता है, बल्कि यह एक महान मानवीय कार्य भी है। इस अवसर पर डॉक्टर शैफ हुसैन खान के नेतृत्व में चिकित्सक दल द्वारा रक्तदान के पश्चात सभी दाताओं का स्वास्थ्य परीक्षण भी किया गया तथा उन्हें प्रमाण पत्र भी प्रदान किए गए। शिविर में पुलिस लाइन के अधिकारी/कर्मचारीगण सहित अन्य कार्मिकों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही।

वसई में सड़क के डामरीकरण का उद्घाटन

वसई रोड। वसई की प्रगति में एक नया अध्याय जुड़ गया है। वसई पूर्व के वालीव नाका, वालीव गाँव से लेकर रेंज ऑफिस और गोखिवरे झील तक सड़क पक्कीकरण व डामरीकरण कार्य का भव्य उद्घाटन वसई विधायक स्नेहा दुबे पंडित और बोईसर विधायक विलास तारे के शुभ हाथों से संपन्न हुआ। यह महत्वपूर्ण परियोजना स्थानीय नागरिकों को यातायात की समस्याओं से राहत देगी और क्षेत्र के आर्थिक व सामाजिक विकास को गति प्रदान करेगी। कार्यक्रम में वसई विरार नगर निगम के सहायक आयुक्त नीलेश म्हात्रे, भाजपा पदाधिकारी बिजेंद्र कुमार, प्रवीण गावड़े, मंडल अध्यक्ष सूर्यकांत वाघमारे, उदय शेट्टी सहित अनेक जनप्रतिनिधि, अधिकारी और नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित थे। इस सड़क कार्य से क्षेत्र के विकास को नई दिशा मिलेगी और नागरिक सुविधाओं में व्यापक सुधार होगा।

राजन नाईक ने भगवान श्री महावीर सिद्धचक्र की पूजा कर लिया आशीर्वाद

वसई। राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 8 (शिरसड़ गांव) श्री पार्श्वनाथ महावीर पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव समिति के तत्वावधान में आज महावीर धाम में भगवान श्री महावीर सिद्धचक्र पूजा का भव्य धार्मिक अनुष्ठान आयोजित किया गया। इस अवसर पर भक्तिमय माहौल में बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरूआत मंत्रोच्चार और पूजा-अर्चना से हुई, जिसके पश्चात भगवान श्री महावीर के चरणों में विधिवत पूजन, अर्चन एवं अभिनंदन समारोह संपन्न हुआ। इस पावन अवसर पर आमदार राजन नाईक तथा वसई-विरार जिल्हा अध्यक्ष प्रद्मा पाटील ने भी पूजा-अर्चना में भाग लेकर भगवान महावीर का आशीर्वाद प्राप्त किया। आयोजन स्थल पर धार्मिक श्रद्धा, भक्ति और सामाजिक एकता का सुंदर संगम देखने को मिला। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित भक्तों को प्रसाद वितरित किया गया और समिति की ओर से सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त किया गया।

3 घंटा लेट से शुरू हुआ बूथ नंबर 46 पर मतदान

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार के सिवान जिला महाराजगंज स्थानीय प्रखंड की माधोपुर बूथ संख्या 46 पर रास्ते को लेकर ग्रामीणों द्वारा मतदान नहीं करने का निर्णय लिया गया था।

महाराजगंज के एसडीओ अनीता सिन्हा, एसडीपीओ अमन कुमार महाराजगंज के सीओ जितेंद्र कुमार पूरे दल बल के साथ माधोपुर गांव पहुंचकर समस्या जाना। पुनः बूथ नंबर 46 उमवि कन्या विद्यालय के मतदाताओं को समझा बूझाकर 3 घंटा विलंब से मतदान शुरू कराया गया।

अधिवक्ता गिरफ्तार, फिर पुलिस ने छोड़ा

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार के सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज स्थानीय थाना क्षेत्र के पटेढा गांव में मतदान के पूर्व रात्रि को मतदाताओं के बीच राजद प्रत्याशी के पक्ष में मतदान करने के लिए पैसा बांटने का आरोप जदयू के पुत्र द्वारा लगाया गया। जिसपर महाराजगंज प्रशासन ने अधिवक्ता अनिल कुमार सिंह को गिरफ्तार कर लिया। उन्हें महाराजगंज थाना लाया गया। वहीं अधिवक्ता अनिल सिंह का आरोप था कि यदि प्रत्याशी हेम नारायण शाह के पुत्र द्वारा मुझे किडनैप कर पंप लाकर मारपीट किया गया उसके बाद महाराजगंज पुलिस को फोन कर मुझे अरेस्ट कराया गया। राजद प्रत्याशी विशाल गुप्ता आदि समर्थक महाराजगंज थाना पहुंचकर प्रशासनिक अधिकारियों से बात कर उन्हें हिरासत से छुड़ाया। देखना है प्रशासन इस मामले में क्या उचित कार्रवाई कर रहा है।

मॉडल बूथों पर सेल्फी लेते रहे मतदाता

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार के सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज स्थानीय 112 विधानसभा चुनाव को ले प्रखंड क्षेत्र में 174 बूथ बनाए गए थे। वीडियो सह सहायक निवार्ची पदाधिकारी बिंदु कुमार ने बताया कि आर्य कन्या मध्य विद्यालय के बूथ संख्या 113 व प्रखंड परिसर के बूथ संख्या 125 को मॉडल बूथ बनाया गया था जबकि उमाशंकर प्रसाद हाई स्कूल के भवन में बूथ संख्या ' 111 और 112 पिंक बूथ के रूप में था। उन्होंने बताया कि दिव्यांग वोटरों के लिए ई रिक्शा की व्यवस्था की गई थी। पूरे प्रखंड क्षेत्र में शांतिपूर्ण मतदान की सूचना है। सामान्य मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए पैदल या अपने निजी सवारी से बूथ तक आ रहे थे। जबकि दिव्यांग वोटरों को ई-रिक्शा से बूथ तक लाया और ले जाया जा रहा था। उन्होंने बताया कि मॉडल बूथों पर बने सेल्फी पॉइंट पर उत्साहित मतदाता सेल्फी लेते देखे गए। खासकर पहली बार मताधिकार का प्रयोग करने वाले युवा, युक्तियां मतदाता सेल्फी प्वाइंट को लेकर खासी उत्साहित थे।

राजन नाईक ने वसई-विरार विकास कार्यों पर की उच्चस्तरीय चर्चा

वसई-विरार। क्षेत्र के लंबित एवं प्रस्तावित विकास कार्यों में तेजी लाने के उद्देश्य से नालासोपारा के आमदार राजन नाईक ने पालकमंत्री गणेश नाईक, कौशल विकास मंत्री मंगलप्रभात लोढ़ा, तथा एमएमआरडीए आयुक्त संजय मुखर्जी से मुलाकात की।

इस बैठक में वसई-विरार शहर के समग्र विकास के लिए आवश्यक परियोजनाओं के क्रियान्वयन पर विस्तार से और सकारात्मक चर्चा हुई। क्षेत्र में आधारभूत संरचना, सड़कों, जलापूर्ति, तथा अन्य नागरी सुविधाओं के उन्नयन से संबंधित मुद्दों पर भी विचार-विमर्श किया गया। इस अवसर पर वसई-विरार जिला के पूर्व अध्यक्ष महेंद्र पाटील भी उपस्थित रहे। राजन नाईक ने बैठक के बाद कहा कि शासन स्तर पर वसई-विरार के विकास कार्यों को प्राथमिकता से पूरा करने के लिए ठोस कदम उठाए जा रहे हैं।

वर्धमान समूह ने घाटकोपर में 'वर्धमान पैलेस' के शुभारंभ के साथ अपने 7वें भूमि पूजन का किया आयोजन

मुंबई। मुंबई के रियल एस्टेट परिदृश्य में अपनी मजबूत विकास गति को सुदृढ़ करते हुए, गुणवत्ता और शिल्प कौशल की अपनी विरासत के लिए जाना जाने वाला एक विश्वसनीय नाम, वर्धमान समूह ने घाटकोपर (पूर्व) में अपने नवीनतम प्रीमियम आवासीय विकास - वर्धमान पैलेस - का भूमि पूजन किया। यह उपलब्धि 2025 में समूह के सातवें भूमि पूजन का प्रतीक है, जो शहर भर में सोच-समझकर डिजाइन किए गए विकास प्रदान करने के लिए इसके मजबूत विस्तार और प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। एक बेहद आकर्षक उपनगर में रणनीतिक रूप से स्थित, वर्धमान पैलेस 1,057 वर्ग फुट से 1,331 वर्ग फुट (?4 करोड़ से शुरू) तक के 3इलङ आवास और 2,125 वर्ग फुट (6 करोड़ से शुरू) के 4इलङ आवास प्रदान करता है। यह परियोजना शहरी घर खरीदारों की उभरती आकांक्षाओं को पूरा करते हुए, सुरुचिपूर्ण वास्तुकला और समकालीन सुख-सुविधाओं का मिश्रण है। निवासियों को जीवनशैली संबंधी सुविधाओं की एक विस्तृत श्रृंखला का आनंद मिलेगा, जिसमें लेवल P5 पर एक पूरी तरह सुसज्जित व्यायामशाला और सोसाइटी कार्यालय, साथ ही एक बहुउद्देशीय कोर्ट, बच्चों के खेल का मैदान, योग क्षेत्र और वरिष्ठ नागरिकों के लिए एक छत पर अवकाश क्षेत्र शामिल है - जो एक समग्र वातावरण का निर्माण करता है जो स्वास्थ्य और सामुदायिक जीवन को बढ़ावा देता है।

इस अवसर पर बोलते हुए, वर्धमान समूह के प्रबंध निदेशक, साहिल बी. मेहता ने कहा वर्धमान पैलेस का भूमि पूजन आधुनिक परिवारों के लिए स्थायी स्थानों को आकार देने की हमारी यात्रा में एक और मील का पत्थर है। इस वर्ष हमारा सातवाँ भूमि पूजन हमारी निरंतर विकास गति और हमारे ग्राहकों और भागीदारों के हम पर विश्वास को दशार्ता है। घाटकोपर गहरी सांस्कृतिक जड़ों और बढ़ती आकांक्षाओं के साथ एक जीवंत बाजार बना हुआ है - और वर्धमान पैलेस इस बढ़ते क्षितिज के लिए हमारी श्रद्धांजलि है। भूमि पूजन समारोह में कंपनी के नेतृत्व, टीम के सदस्य, निवेशक, मीडिया और चैनल पार्टनर शामिल हुए, जो मुंबई की रियल एस्टेट विकास गाथा के प्रति समूह की प्रतिबद्धता का प्रतीक है। यह विकास ?1000 मिलियन से अधिक के नियोजित निवेश का प्रतिनिधित्व करता है, जो मूल्य-संचालित, डिजाइन-आधारित और समुदाय-केंद्रित विकास प्रदान करने के समूह के दृष्टिकोण को पुष्ट करता है। पिछले कुछ वर्षों में, वर्धमान समूह ने मुंबई में कई ऐतिहासिक आवासीय और वाणिज्यिक परियोजनाओं को सफलतापूर्वक पूरा किया है, जिससे गुणवत्ता, पारदर्शिता और समय पर डिलीवरी के लिए इसकी प्रतिष्ठा और मजबूत हुई है।

फर्टिलिटी स्टार्टअप प्लुरो ने बेसेमर वेंचर पार्टनर्स की अगुवाई में 125 करोड़ रु की सीरीज अ फंडिंग जुटायी

वसई। हेल्थकेयर पार्टनरशिप प्लेटफार्म प्लुरो फर्टिलटी एंड आईवीएफ ने बेसेमर वेंचर पार्टनर्स के नेतृत्व में 125 करोड़ रु की सीरीज अ फंडिंग हासिल करने की घोषणा की है। यह निवेश कंपनी के 1,000 करोड़ रुपये के मूल्यांकन पर हुआ है। फंडिंग का यह राउंड, भारत के सर्वाधिक स्थापित फर्टिलिटी विशेषज्ञों के साथ भागीदारी करते हुए, भारत की महिलाओं एवं पुरुषों के लिए माता-पिता बनने के उनके सपने को साकार करवाने के प्लुरो के अभियान की अहम उपलब्धि है। इस राउंड में विक्रम चटवाल (मेडिअसिस्ट), धर्मिल शेठ एवं हार्दिक देढिया (फार्मईजी/ऑल होम), सलिल मुसाले (एस्टार्क वेंचर्स), शालिभद्र शाह एवं निकेत शाह (मोतीलाल ओसवाल), करण कपूर (के हॉस्पिटैलिटी) जैसे प्रमुख एंजल निवेशकों ने भी हिस्सा लिया।

2025 में डॉ जयदीप टांक, डॉ परीक्षित टांक और डॉ भास्कर शाह द्वारा स्थापित प्लुरो ने देशभर के सफल और स्वतंत्र रूप से कार्यरत आईवीएफ विशेषज्ञों के साथ क्लिनिकल पार्टनरशिप मॉडल के तहत साझेदारी की है। यह मॉडल डॉक्टरों की स्वतंत्र स्वायत्तता को बरकरार रखते हुए केंद्रीकृत परिचालन की सुविधा प्रदान करता है। यह चिकित्सकों को मरीजों के हितों को ध्यान में रखते हुए अपनी प्रेक्टिस को भी आगे बढ़ाने में मददगार है। प्लुरो ने मार्च 2026 तक देशभर में 25 फर्टिलिटी केंद्र शुरू करने की योजना बनायी है, प्रत्येक केंद्र को कम से कम दस वर्षों की उत्कृष्ट क्लिनिकल विशेषज्ञता रखने वाले अग्रणी फर्टिलिटी विशषज्ञों के साथ मिलकर स्थापित किया जाएगा।

डॉ जयदीप टांक, सह-संस्थापक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, प्लुरो फर्टिलिटी, ने संस्थापकों की ओर से कहा, भारत के सर्वाधिक सम्मान प्राप्त फर्टिलिटी विशेषज्ञों ने दशकों तक सेवाएं देकर मरीजों के साथ भरोसेमंद संबंध बनाए हैं और वे लगातार बेहतरीन क्लिनिकल परिणाम सुनिश्चित कर रहे हैं। हालांकि, परिचालन सीमाएं और संसाधनों की कमी के कारण वे अपनी सेवाओं को बड़े स्तर पर विस्तार देने और तकनीक व अधोसंरचना में निवेश करने में सक्षम नहीं हो पाते। लेकिन अब प्लुरो ने इन चुनौतियों का समाधान करते हुए उन्हें उन दंपतियों की सेवा करने में सक्षम बनाया है, जो मातृत्व और पितृत्व का सपना साकार करना चाहते हैं। इसके लिए टेक्नोलॉजी, रिसर्च और इंफ्रास्ट्रक्चर तथा अत्याधुनिक केयर जैसे पहलुओं को मजबूत बनाया जा रहा है। लक्ष्मी माइ नेस्ट प्लुरो फर्टिलिटी एंड आईवीएफ (वसई स्थित नेटवर्क पार्टनर) के डॉ मुकेश पाटिल ने कहा, मेरे लिए, उम्मीद ही सबसे ताकतवर औषधि है, और सच तो यह है कि मरीजों की उम्मीद को बचाकर रखना ही चिकित्सकों की सबसे बड़ी जिम्मेदारी भी होती है। मैं ध्यानपूर्वक मरीजों को सुनने, उनकी अनकही आशंकाओं को समझने और पूरी ईमानदारी तथा दयाभाव के साथ उन्हें स्पष्ट जानकारी देने में विश्वास रखता हूं।

आशीर्वाद के संस्थापक डॉ उमाकान्त बाजपेयी नहीं रहे

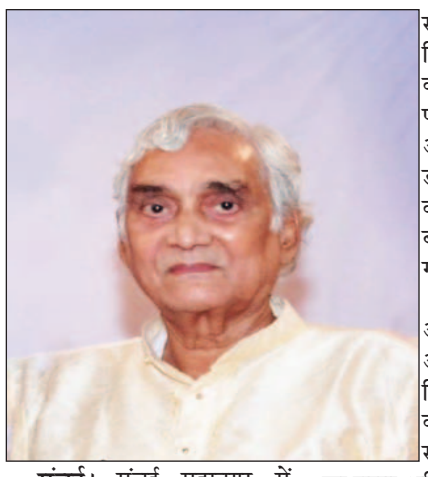

मुंबई। मुंबई महानगर में राजभाषा हिंदी के प्रचार प्रसार के समर्पित सिपाही और हिन्दी का साथ, हिन्दी का विकास और हिन्दी पर विश्वास के प्रतीक आशीर्वाद के संस्थापक डॉ उमाकान्त बाजपेयी का आज अपराह्न 2 बजे मुंबई में निधन हो गया।

वे कुछ समय से अस्वस्थ चल रहे थे और उन्होंने पिछले कुछ दिनों से अन्न जल त्याग कर 6 नवंबर को स्वेच्छा से गोलोक गमन का रास्ता अख्तियार किया। उनकी उम्र 87 वर्ष थी। उनके अंतिम समय में पुत्रियां नीता, निरुपमा, संगीता, दामाद शेखर आदि उनके साथ थे।

बता दें कि डॉ बाजपेयी बहुआयामी व्यक्तित्व रहे। लेखक, संपादक, आयोजक, समाजसेवी के रूप में उनकी ख्याति रही। उन्होंने संस्कार, संस्कृति, साहित्य एवं चिकित्सा की पृष्ठभूमि में मुंबई को अपनी कर्मस्थली बनाया।1969 में आशीर्वाद नाम की पत्रिका का प्रकाशन तथा 1977 में आशीर्वाद संस्था का शुभारंभ किया।

वे भारतीय जीवन बीमा निगम में 1998 तक कार्यरत रहे। हिंदी के पुरस्कृत एकांकी, मुंबई के हिन्दी कवि, मुंबई की हिन्दी कवियित्रियाँ के संपादक डॉ बाजपेयी ने चार कहानी संग्रह- एक था नर एक थी मादा, एक मृग सोने का, बैंड बाजा बुलेट और जय राम जी की भी लिखे।

सन 1974 एवं 1978 में अखिल भारतीय लेखक सम्मेलन का आयोजन किया जो मुंबई का पहला हिन्दी लेखक सम्मेलन था।

सन 1978 से आशीर्वाद फिल्म अवार्ड शुरू किया, जो पच्चीस वर्षों तक लगातार आयोजित होता रहा जिसमें सिनेमा जगत की मशहूर हस्तियाँ उपस्थित होती रहीं। 1991 से हिन्दी के प्रचार-प्रसार हेतु आशीर्वाद राजभाषा पुरस्कार एवं सम्मेलन का शुभारंभ किया, जो आज भी जारी है।

जोया शेख महिलाओं को पहचान और आत्मविश्वास देने के लिए लेकर आई हैं एक वैश्विक मंच

मुंबई। भारत जल्द ही कारा मिस एंड मिसेज महाराष्ट्र 2025 के रूप में सुंदरता, आत्मविश्वास और सशक्तिकरण का भव्य उत्सव देखने जा रहा है। यह मंच सिर्फ सुंदरता ही नहीं, बल्कि महिलाओं की ताकत, व्यक्तित्व और प्रतिभा को भी सम्मान देता है। इस भव्य कार्यक्रम का आयोजन कारा जोया प्राइवेट लिमिटेड की फाउंडर और मैनेजिंग डायरेक्टर मिसेज जोया सिराज शेख कर रही हैं। गरिमा और दृढ़ निश्चय की मिसाल, मिसेज जोया शेख को 2022 में मिसेज महाराष्ट्र का ताज मिला था और उन्होंने मिसेज यूनिवर्स 2022-23 में भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए तीसरा रनर-अप स्थान हासिल किया। अब वह एक ऐसा मंच लेकर आई हैं जो महिलाओं के सपनों को साकार करने का मौका देगा। कारा झोया प्राइवेट लिमिटेड द्वारा तीन प्रतिष्ठित सौंदर्य प्रतियोगिताएँ आयोजित की जा रही हैं मिसेज सुप्रानैशनल (अंतरराष्ट्रीय स्तर), मिसेज इंडिया सुप्रानैशनल (राष्ट्रीय स्तर) और मिस एंड मिसेज महाराष्ट्र 2025 (राज्य स्तर)। मिसेज सुप्रानैशनल विवाहित महिलाओं के लिए एक अंतरराष्ट्रीय मंच है, जहाँ दुनिया भर की महिलाएं अपने आत्मविश्वास, टैलेंट और संस्कृति का प्रदर्शन कर सकती हैं। मिसेज इंडिया सुप्रानैशनल भारतीय विवाहित महिलाओं के लिए एक राष्ट्रीय मंच है जो भारतीय संस्कृति, नारीत्व और आत्मविश्वास का जश्न मनाता है। इस प्रतियोगिता में महिलाओं की प्रतिभा, संवाद कौशल और सामाजिक कार्यों में योगदान को सराहा जाता है। वहीं, मिस एंड मिसेज महाराष्ट्र 2025 विवाहित और अविवाहित दोनों महिलाओं के लिए एक राज्य स्तरीय प्रतियोगिता है। खास बात यह है कि इसमें बीचवियर राउंड नहीं होगा, जिससे प्रतिभागी महिलाएं गरिमा और आत्मविश्वास के साथ अपना टैलेंट प्रस्तुत कर सकेंगी।

मतदान के बाद युवतियों व युवाओं में दिखा विशेष उत्साह

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज बिहार विधानसभा चुनाव में 6 नवंबर को मतदान करने के बाद महाराजगंज विधानसभा के विभिन्न बूथ पर युवतियों व युवाओं में विशेष उत्साह देखा गया। इसमें भी पहली बार मत डालने वाली पूजा मौर्या, आशा कुमारी, कलावती कुमारी, नेहा सिंग, कलावती कुमारी आदि कई दर्जन युवा युवतियों ने अपने मतदान का प्रयोग गर खुशी जताई कहा हम जिसको पहली बार मतदान किए हैं भगवान करें उसकी जीत हो और होगी भी युवतियों ठहाका लगा कर आनंद महसूस किया।

वसई मछुआरों के मुद्दों पर मंत्री नितेश राणे के साथ विधायक स्नेहा दुबे पंडित की बैठक

मुंबई(उत्तरशक्ति)। वसई विधानसभा क्षेत्र के मछुआरों की समस्याओं, पुनर्वास, आजीविका और तटीय विकास से संबंधित मुद्दों पर आज मंत्रालय, मुंबई में एक उच्च स्तरीय बैठक आयोजित की गई।

इस बैठक की अध्यक्षता महाराष्ट्र राज्य के मत्स्य पालन एवं बंदरगाह मंत्री श्री नितेश राणे ने की। बैठक में वसई की विधायक स्नेहा दुबे पंडित, मत्स्य पालन सचिव एन. रामास्वामी, मत्स्य पालन आयुक्त किशोर तावड़े, तथा क्षेत्र के कई वरिष्ठ अधिकारी और मछुआरा समुदाय के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। बैठक में वसई तालुका के मछुआरों द्वारा उठाए गए विभिन्न मुद्दों और मांगों पर विस्तार से चर्चा हुई। इस अवसर पर मंत्री नितेश राणे ने कई महत्वपूर्ण निर्णयों की घोषणा की। मंत्री राणे ने मछुआरों की सभी समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए शीघ्र कार्रवाई का भरोसा दिलाया। साथ ही उन्होंने वसईवासियों का आभार व्यक्त किया कि राज्य सरकार ने मत्स्य पालन को कृषि के समकक्ष दर्जा दिया है, जिसके तहत अब मछुआरों को बैंकों द्वारा दिए जाने वाले अल्पकालिक कार्यशील पूंजी ऋणों पर 4 प्रतिशत ब्याज सहायता दी जाएगी। इस बैठक में मछुआरा समुदाय से महेंद्र पाटिल, बिजेंद्र कुमार, जितेंद्र मेहर, देवदत्त मेहर, विजय मेहर, जयराज दावलेकर, अविनाश चावंडे सहित कई सदस्य उपस्थित रहे।

सिवान के प्रत्याशियों का भाग्य ईवीएम में बंद

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार के सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज महाराजगंज विधानसभा क्षेत्र के 371 बूथों पर शांतिपूर्ण मतदान के बाद जदयू प्रत्याशी हेम नारायण साह, राजद प्रत्याशी विशाल कुमार जायसवाल, जन सुराज प्रत्याशी सुनील राय, बसपा प्रत्याशी रवि रंजन टिशु, भारत का किसान मजदूर पार्टी के प्रत्याशी नयन प्रसाद, आजाद समाज पार्टी के मदन यादव, पॉलिटिकल टीम इंडिया के डॉ विकास कुमार सिंह, निर्दलीय प्रत्याशी अंगद कुमार, आशीष रंजन सिंह, नीतीश कुमार द्विवेदी, रविंद्र कुमार व राज किशोर गुप्ता सहित 12 प्रत्याशियों के भाग्य ईवीएम में बंद हो गए। अब मतदाता जीत-हार के गणित के जोड़ घटाव में लग गए हैं । पुरुषों से अधिक महिलाओं ने मतदान किया है। महिलाओं की खुशी किस बात का इशारा है यह तो 14 नवंबर के बाद ही पता चलेगा।

राकेश मसाला ने ऋतिक रोशन का ब्रांड एम्बेसडर के रूप में स्वागत किया

पटना। भारत के सबसे विश्वसनीय मसाला और फूड प्रोडक्ट ब्रांड्स में से एक, राकेश मसाला ने आज घोषणा की है कि ऋतिक रोशन अब इसके आधिकारिक ब्रांड एंबेसडर होंगे। इस ऐतिहासिक साझेदारी के साथ, ब्रांड अपने पाँच दशकों के उत्तम स्वाद को भारत के सबसे प्रिय सितारों में से एक के आकर्षण के साथ जोड़ता है। 1975 में एस. पी. चौधरी द्वारा केवल दो उत्पादों के साथ स्थापित राकेश मसाला आज एक घरेलू नाम बन चुका है, जिसके पास 80 से अधिक उत्पाद हैं जिनमें मसाले, तेल, आटा, स्नैक्स और रसोई की आवश्यक वस्तुएँ शामिल हैं। यह कंपनी उत्तर भारत की पहली ऐसी कंपनी थी जिसने मसाला पीसने के लिए क्रायोजेनिक तकनीक अपनाई, और आज इसके पास 10 अत्याधुनिक मैन्युफैक्चरिंग यूनिट्स हैं जिनकी प्रतिदिन 125 मीट्रिक टन की उत्पादन क्षमता है।

अपने मूल में, राकेश मसाला स्वाद, परंपरा और गुणवत्तापूर्ण ईमानदारी के लिए खड़ा है वही मूल्य जो ऋतिक रोशन की अनुशासन, जोश और प्रामाणिकता की यात्रा से सहजता से मेल खाते हैं। सहयोग पर बोलते हुए ऋतिक रोशन ने कहा, मसाले भारतीय खानपान की आत्मा हैं, और राकेश मसाला ने पीढ़ियों से इन जादुई अवयवों का नेतृत्व किया है। मुझे गर्व है कि मैं ऐसे ब्रांड का प्रतिनिधित्व कर रहा हूँ जो हमारी भारतीय मसालो की विरासत को इतनी ईमानदारी और नवाचार के साथ मनाता है। राकेश मसाला के निदेशक अजय कुमार ने कहा, ऋतिक गर्मजोशी और विश्वसनीयता का एक अनोखा संगम हैं, जो हमारे ब्रांड की यात्रा को खूबसूरती से प्रतिबिंबित करता है। राकेश मसाला के निदेशक मंजय चौधरी ने कहा, हम अपने विज्ञापन स्क्रिप्ट्स में हास्य जोड़ना चाहते थे ताकि भोजन के हल्के-फुल्के और मजेदार पहलू को दिखाया जा सके। हमारा मानना है कि भोजन का उद्देश्य आनंद देना है और सबके चेहरों पर मुस्कान लाना है। सीईओ विवेक पाठक ने अपनी खुशी व्यक्त करते हुए कहा, यह सहयोग हमारे लिए एक गौरवपूर्ण मील का पत्थर है। जब हम राकेश मसाला के 50 सुनहरे वर्षों का जश्न मना रहे हैं, तो हमें ऋतिक के साथ हाथ मिलाकर अपनी विरासत को आगे ले जाने की खुशी है।

आयुर्वेद मेडिकल एसोसिएशन का शपथ ग्रहण समारोह सम्पन्न

झुंझुनूं। आयुर्वेद मेडिकल एसोसिएशन (AMA) जिला शाखा झुंझुनूं द्वारा बुधवार को चित्रकूट कॉलोनी रोड नं. 3 स्थित नोबल आयुर्वेदिक हॉस्पिटल परिसर में दीपावली स्नेह मिलन एवं नवगठित जिला कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन भव्य रूप में किया गया।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. जितेन्द्र स्वामी (उपनिदेशक, आयुर्वेद विभाग) रहे, बतौर विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. प्रमोद कुमार शर्मा,डॉ.नवीन कुमार मिश्र और डॉ.अश्विनी कुमार उपस्थित थे। कार्यक्रम में संरक्षक डॉ. राजेंद्र कुमावत एवं संगठन सलाहकार डॉ.जगदीश चौधरी ने भी अपनी गरिमामय उपस्थिति दर्ज कराई। इस अवसर पर डॉ. राजेंद्र कुमावत ने नवगठित जिला कार्यकारिणी के पदाधिकारियों एवं सदस्यों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण के पश्चात दीपावली स्नेह मिलन कार्यक्रम का आयोजन हुआ,जिसमें जिलेभर के सैंकड़ों आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी उत्साहपूर्वक शामिल होकर एक दूसरे को बधाई दी। इस अवसर पर उपस्थित हुए सभी ने अध्यक्ष डॉ महेश कुमार झाझडिया के साथ मिलकर संगठन की एकता के साथ आयुर्वेद चिकित्सा के विकास एवं प्रचार-प्रसार कर जन जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया और मिलकर हर समस्या के समाधान हेतु एकजुट रहने का भरोसा दिलाया। कार्यक्रम का सुंदर संचालन डॉ अशोक कुमार शर्मा ने किया।

आर्ट डेको डिजाइन के 100 साल पूरे होने पर शुरू हुआ मुंबई में एक ट्विन-सिटी फेस्टिवल

मुंबई। आर्ट डेको अलाइव! आर्किटेक्चर और डिजाइन के आर्ट डेको मूवमेंट के सौ साल पूरे होने पर मियामी और मुंबई में होने वाला यह अपनी तरह का पहला, ट्विन-सिटी फेस्टिवल 6 नवंबर को मुंबई में सूचना प्रौद्योगिकी और सांस्कृतिक मामलों के कैबिनेट मंत्री आशीष शेलार और मुंबई के म्युनिसिपल कमिश्नर भूषण गगरानी ने आर्ट डेको अलाइव की फाउंडर स्मिति कनोरिया और डॉ. भाऊ दाजी लाड म्यूज़ियम की मैनेजिंग ट्रस्टी और डायरेक्टर श्रीमती तसनीम मेहता के साथ मिलकर शुरू किया। आर्ट डेको अलाइव! का पहला एडिशन 7 से 25 नवंबर तक मुंबई में अलग-अलग जगहों पर होगा, इससे पहले अक्टूबर में मियामी में इसका एडिशन हुआ था।

डॉ. भाऊ दाजी लाड म्यूज़ियम में उद्घाटन कार्यक्रम में बोलते हुए सूचना प्रौद्योगिकी और सांस्कृतिक मामलों के कैबिनेट मंत्री आशीष शेलार ने कहा कि आर्ट डेको अलाइव! और डॉ. भाऊ दाजी लाड म्यूज़ियम ने मिलकर एक बहुत ही खूबसूरत कार्यक्रम तैयार किया है। मुंबई से मियामी के कनेक्शन के अलावा, एक तीसरा 't' भी है जिसका बहुत महत्व है - 'मराठी मानुष'। मुंबई हर चीज में सबसे अच्छा है, एक ऐसा शहर जिसने हमेशा हिम्मत दिखाई है और दुनिया को एक रास्ता दिखाया है। इस इवेंट में मौजूद मुंबई के म्युनिसिपल कमिश्नर डॉ. भूषण गगरानी ने कहा कि हर शहर इंफ्रास्ट्रक्चर के मामले में बदल रहा है, जिससे उसे एक मॉडर्न और कंटेम्पररी लुक मिल रहा है। अपने शहर को बचाना कोई चुनौती नहीं बल्कि एक सामूहिक ज़िम्मेदारी है। आर्ट डेको की विरासत नए, मॉडर्न और कंटेम्पररी मुंबई का एक जरूरी हिस्सा होनी चाहिए। यह एक तारीफ के काबिल पहल है, आर्ट डेको अलाइव! ज़िंदगी का जश्न मनाता है और मुंबई की जीवंत भावना इसमें झलकती है। मुंबई की एंटरप्रेन्योर स्मिति कनोडिया ने मियामी की को-फाउंडर सलमा मर्चेंट रहमतुल्ला और गायत्री हिंगोरानी दीवान के साथ मिलकर Art Deco Alive! की शुरूआत की है। यह अलग-अलग कॉन्टिनेंट्स में क्रिएटिविटी की भावना का जश्न मनाता है, साथ ही संरक्षण, शिक्षा और सहयोग के विचारों को भी मजबूत करता है। यह पहचान, यादों और डिजाइन के बारे में एक ग्लोबल बातचीत को बढ़ावा देता है, एक नए युग के लिए डेको की भावना को फिर से ज़िंदा करता है। आर्ट डेको अलाइव की फाउंडर स्मिति कानोडिया ने कहा कि मुंबई और मियामी दुनिया के दो अलग-अलग छोर पर बसे ये दोनों शहर अपनी डायनामिक भावना, आर्किटेक्चरल विरासत और कल्चरल संगम के तौर पर अपनी पहचान से जुड़े हुए हैं। दोनों शहरों से गहरे जुड़ाव के कारण, हमने देखा कि जैसे-जैसे उनमें जेंट्रीफिकेशन हुआ और वे विकसित हुए, ऊंची-ऊंची इमारतों, इफ्रस्ट्रक्चर और शहरी विकास के साथ-साथ स्काईलाइन भी ज्यादा चमकदार हो गई। डॉ. भाऊ दाजी लाड म्यूज़ियम के मैनेजिंग ट्रस्टी और डायरेक्टर तसनीम जकारिया मेहता ने कहा कहा कि आर्ट डेको अलाइव! के साथ पार्टनरशिप में, मुंबई की डिजाइन विरासत का सम्मान करने की इस कोशिश में डॉ. भाऊ दाजी लाड म्यूज़ियम भी शामिल है। हम डॉ. भाऊ दाजी लाड म्यूज़ियम में यह एग्ज़िबिशन पेश करने के लिए आर्ट डेको अलाइव के साथ पार्टनरशिप करके बहुत खुश हैं।

मानसिक स्वास्थ्य शिविर में 350 मरीज का हुआ इलाज

शाहगंज, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शाहगंज में मुख्य चिकित्सा अधिकारी के निर्देश पर गुरुवार को राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। मरीजों की जांच करके उन्हें जागरुक करते हुए दवा दी गई। लोगों को स्वास्थ्य सुधार एवं बचाव के संबंध में सलाह दी गई।अधीक्षक डॉ. रफीक फारूकी ने बताया कि इस स्वास्थ्य शिविर में कुल 350 मरीजों का इलाज किया गया। इसमें करीब 50 मानसिक रोग से संबंधित मरीजों को चिन्हित करते हुए उपचार किया गया। इस अवसर पर 5 दिव्यांगों का प्रमाण पत्र ऑनलाइन कराकर दिव्यांग प्रमाण पत्र के लिए अग्रसारित किया गया। उन्होंने आम जनमानस को जागरुक करते हुए कहा कि मानसिक रोग लाइलाज नहीं है। इसका इलाज पूरी तरह से संभव है। समय से यदि इसका इलाज कराया जाए तो यह ठीक हो सकता है। इसके लिए लोगों को झाड़-फूंक के चक्कर में पड़कर समय नष्ट न करें। उन्होंने बताया कि महीने के प्रथम बृहस्पतिवार को यह चिकित्सा शिविर आयोजित किया जाता है। लोगों को अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ लेना चाहिए ।शिविर में जनपद स्तरीय चिकित्सकों में मनोचिकित्सक डॉ. दिलीप कुमार चौरसिया एवं मनो परीक्षण अधिकारी राम प्रकाश पाल, समाजसेवी विकास कुमार सिंह, डॉ.राहुल वर्मा, डॉ. राकेश कुमार, डॉ. हरिओम मोर्य, डॉ संजीव यादव, डॉ. आरबी यादव, डॉ. आशीष कुमार यादव, डॉ.अभिषेक रावत, डॉ .जमालुद्दीन, डॉ. आकांक्षा सिंह, डॉ .नीतू शुक्ला, फार्मासिस्ट गिरीश यादव, कनिष्ठ लिपिक अमित कुमार बाजपेई आदि लोगों ने सहयोग किया।

सरकार क्षेत्र की समस्याओं को दूर करने के लिये वे और सरकार कटिबद्ध हैं

महाराष्ट्र विधान भवन में दिवाली मिलन समारोह का आयोजन

मुंबई। महाराष्ट्र के विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने विधानसभा प्रांगण में क्षेत्र के प्रमुख व्यापारियों के साथ दिवाली स्नेह मिलन आयोजन किया। इसी आयोजन के दौरान क्षेत्र की समस्याओं पर और व्यवसाय करने में आने वाली दिक्कतों पर भी गहन चिंतन किया गया और उनकी मुश्किलों को दूर करने के लिये सरकार कटिबद्ध हैं। इसी कार्यक्रम के दौरान आदर्श होटल समूह परिवार के जगदीश पुरोहित द्वारा निर्मित महाराष्ट्र में जन्मे ₹भारत के सशस्त्र क्रांति के पितामह₹ वासुदेव बलवंत फड़के की 180वीं जयंती पर उनका चित्र का लोकार्पण किया गया। इस पोस्टर की विशेषता है कि इसमें क्रांतिवीर के चित्र के साथ उनके द्वारा शिक्षा क्षेत्र में किए गए कार्यों का भी विशेष उल्लेख किया गया। इस समारोह में प्रबुद्ध व्यापारियों एवं अग्रणी संस्थानों ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। सभा को मेटल एंड स्टेनलेस स्टील एसोसिएशन (मासमा) के अध्यक्ष चंदन भंसाली, फेडरेशन ऑफ असोशीऐशनस ऑफ महाराष्ट्र के अध्यक्ष जितेंद्र शाह, इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन के राष्ट्रीय प्रवक्ता कुमार जैन, भारत मर्चन्टस चेंबर्स के मनोज जालान आदि ने संबोधित किया। इनके अलावा चैंबर ऑफ एसोसिएशन ऑफ महाराष्ट्र इंडस्ट्री एंड ट्रेड के मोहन गुरनानी, बॉम्बे मेटल एक्सचेंज के सुशील कोठारी और अशोक बाफना, श्री आदर्श रामलीला समिति के राजेंद्र अग्रवाल, हिंदुस्तान चैंबर ऑफ कॉमर्स के विनोद लोढ़ा एवं गोविंद सराफ, परोपकार के रामकिशोर दरक के साथ कई अन्य गणमान्य हस्तियों ने हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम के समन्वयक पूर्व नगर पार्षद और भाजपा दक्षिण मुंबई के उपाध्यक्ष जनक संघवी थे। इसी कार्यक्रम पश्चात जल पान की भी व्यवस्था रखी हुई थी ।

मतदान के बाद युवतियों व युवाओं में दिखा विशेष उत्साह

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज बिहार विधानसभा चुनाव में 6 नवंबर को मतदान करने के बाद महाराजगंज विधानसभा के विभिन्न बूथ पर युवतियों व युवाओं में विशेष उत्साह देखा गया। इसमें भी पहली बार मत डालने वाली पूजा मौर्या, आशा कुमारी, कलावती कुमारी, नेहा सिंग, कलावती कुमारी आदि कई दर्जन युवा युवतियों ने अपने मतदान का प्रयोग गर खुशी जताई कहा हम जिसको पहली बार मतदान किए हैं भगवान करें उसकी जीत हो और होगी भी युवतियों ठहाका लगा कर आनंद महसूस किया।

4 साल की मासूम के साथ दुष्कर्म के आरोपी को पुलिस मुठभेड़ में लगी गोली

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद के लालपुर-पांडेयपुर थाना क्षेत्र में बुधवार को एक 4 वर्षीय बच्ची के साथ उसके पड़ोसी द्वारा दुष्कर्म की घिनौनी घटना सामने आई। आरोपी ने लालच देकर बच्ची को बावनबीघा इलाके की सुनसान झाड़ियों में ले जाकर अपराध को अंजाम दिया। बच्ची की चीखें सुनकर ग्रामीण पहुंचे, लेकिन आरोपी फरार हो गया। पांडेयपुर चौकी प्रभारी प्रवीण सचान के नेतृत्व में पुलिस ने तलाश शुरू की और करीब 4 घंटे बाद बड़ा लालपुर के टीएफसी के पास आरोपी करन चौहान को घेर लिया। गिरफ्तारी से बचने के लिए आरोपी ने पुलिस पर गोली चलाई, जिसके जवाब में आत्मरक्षा में फायरिंग की गई। गोली आरोपी के पैर में लगी और वह घायल होकर गिरफ्तार हुआ। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया,जहां इलाज जारी है। पुलिस जांच में पता चला कि गांजा गली निवासी करन चौहान चोरी के दो मामलों में फरार था और जेल भी जा चुका है। अन्य अपराधों की जांच चल रही है। मुठभेड़ में डीसीपी वरुणा जोन प्रमोद कुमार, एसीपी नितिन तनेजा,थाना प्रभारी राजीव कुमार सिंह सहित पूरी टीम मौजूद रही। पीड़िता बच्ची को मेडिकल जांच के लिए अस्पताल ले जाया गया,जहां डॉक्टर उसकी शारीरिक-मानसिक स्थिति पर नजर रख रहे हैं। घटना ने बच्चों की सुरक्षा पर सवाल उठाए हैं।

सोशल मीडिया पर रिवॉल्वर संग फोटो वायरल करने वाला गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। खेतासराय थाना क्षेत्र के भुडकुडहाँ गांव निवासी एक युवक को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर रिवॉल्वर के साथ फोटो वायरल करना भारी पड़ गया। खेतासराय पुलिस ने युवक को गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया है। थानाध्यक्ष प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि 05 नवंबर 2025 को एक वीडियो और फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हुई थी, जिसमें एक युवक अवैध रूप से रिवॉल्वर के साथ पोज देता नजर आ रहा था। जांच में युवक की पहचान ऐहतेशाम पुत्र हिसामुद्दीन निवासी भुडकुडहाँ थाना खेतासराय के रूप में हुई। क्षेत्राधिकारी शाहगंज के निकट पर्यवेक्षण में पुलिस टीम ने 06 नवंबर को ऐहतेशाम को गिरफ्तार कर निरोधात्मक कार्रवाई करते हुए न्यायालय भेज दिया। साथ ही उसके शस्त्र लाइसेंस निरस्तीकरण की रिपोर्ट उच्चाधिकारियों को भेज दी गई है।

मुंबई में वारजागाराम देवासी के नूतन गृह प्रवेश में देवासी समाज के अध्यक्ष अंबा राम देवासी, पांचला सरपंच खेताराम देवासी, नरेंद्र चौधरी, नारायण सिंह बावरला डेलिकेट, माधाराम देवासी, नरसीराम चौधरी एवं समस्त देवासी समाज के युवा उद्योगपति भामाशाह 36 कोम के भाई बंधु उपस्थित रहे। छाया: उत्तरशक्ति

बरौसा के कमला हॉस्पिटल पर 4246 दिव्यांगों को मुफ्त कंबल वितरण

कंबल मिलते ही लाभार्थियों के चेहरे मुस्कान से खिल उठें

सुल्तानपुर। गरीबों के मसीहा रहे स्वर्गीय चंद्रशेखर शुक्ल बेबी भइया द्वारा आरंभ की गई सेवा परंपरा को आगे बढ़ाते हुए लोकाधिकार सेवा समिति ने सेवा के 21वें वर्ष में सुलतानपुर स्थित कमला हॉस्पिटल, जयसिंहपुर रोड, बरौंसा में गुरुवार को दिव्यांगजनों हेतु मुफ्त कंबल वितरण शिविर का आयोजन किया। कार्यक्रम की शुरूआत समिति के संस्थापक समाज के पुरोधा स्वर्गीय चंद्रशेखर शुक्ल बेबी भइया की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। इसके उपरांत लगभग 4246 सौ से ज्यादा जरूरतमंद दिव्यांग लाभार्थियों को कंबल वितरित किए गए। कंबल पाकर लाभार्थियों के चेहरों पर खुशी और संतोष के भाव झलक उठे। शिविर का शुभारंभ मुख्य अतिथि सुलतानपुर भाजपा जिलाध्यक्ष सुशील त्रिपाठी और एमएलसी शैलेन्द्र प्रताप सिंह, विधायक राजप्रसाद उपाध्याय, विधायक राजेश गौतम, सुल्तानपुर पीटीएस के एसपी बृजेश कुमार मिश्र आईपीएस, भाजपा नेता डॉ. सीताशरण त्रिपाठी, भाजपा जिला महामंत्री घनश्याम चौहान, दोस्तपुर प्रमुख प्रतेश सिंह बंटी, कूरेभार प्रमुख नवनीत सिंह, तथा मोतीगरपुर प्रमुख चंद्र प्रताप सिंह द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। सभी अतिथियों का स्वागत साल,स्मृति चिन्ह पुष्पगुच्छ एवं संकल्प पत्रिका भेंटकर किया गया। कार्यक्रम का संचालन समिति अध्यक्ष प्रभाकर चंद्रशेखर शुक्ल रिंकू भइया एवं जयसिंहपुर ब्लॉक प्रमुख राहुल चंद्रशेखर शुक्ल के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। इस अवसर पर पूर्व जिला पंचायत सदस्य डॉ. सी.बी. शुक्ल, जिला पंचायत सदस्य नंदन चौबे, जयसिंहपुर खंड विकास अधिकारी, भाजपा नेता आनंद द्विवेदी, प्रधान प्र. रौनक सिंह, प्रधान प्र.रमन सिंह, हैपी सिंह, प्रधान अतुल पांडेय, पूर्व प्रधान रामविशाल यादव, प्रधान राधेश्याम वर्मा, प्रधान मकसूद अहमद, सुनील कसौधन, बब्लू शुक्ला,भाजपा नेता रत्नेश तिवारी, प्रधान बृजेश यादव, हरिशंकर वर्मा, रामजीत पाल, बाबा शुक्ला, राजनारायण यादव, प्रधान शैलेश सिंह, राधेश्याम वर्मा सहित अनेक जनप्रतिनिधि, समाजसेवी, शिक्षाविद एवं पत्रकार बंधु, प्रशासनिक अधिकारी गण उपस्थित रहे। कार्यक्रम के सफल संचालन में समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रभाकर चंद्रशेखर शुक्ल रिंकू भइया, जयसिंहपुर ब्लॉक प्रमुख राहुल चंद्रशेखर शुक्ल और प्रवक्ता एड सुभाष त्रिपाठी,संदीप दुबे, संजीत सिंह, नवीन सिंह,आचार्य नीरज मिश्रा, पत्रकार आदेश मिश्र, डॉ. नीरज पांडेय, डॉ सिंटू श्रीवास्तव, पूर्व प्रधान बबलू मिश्रा, परिक्रमा सिंह, बबलू सिंह, सतेंद्र गुप्ता, गौरव पांडेय, आशुतोष पांडेय,गुरु प्रसाद मिश्रा, वशिष्ठ पांडेय, आकाश दुबे, प्रदीप जायसवाल, अंजनी यादव, महेश यादव, सुनील वर्मा, अमित तिवारी, भड़कऊ शुक्ला, अमित शुक्ला, महेश तिवारी, सुरेश पांडेय, बृजेश पांडेय, लक्ष्मीकांत शुक्ला, पंच बहादुर वर्मा,हैपी पांडेय, भोलू पांडेय,दीपक शुक्ल, राजेश तिवारी,बजरंग बहादुर सिंह,जितेंद्र वर्मा,प्रमेश शुक्ल आदि की प्रमुख भूमिका रही। इसी कड़ी में समिति ने सूचित किया है कि 7 नवंबर दिन शुक्रवार को सुबह 9 बजे से कमला हॉस्पिटल पर मुफ्त नेत्र परीक्षण एवं चश्मा वितरण शिविर का आयोजन भी किया जा रहा है। सभी जरूरतमंद लाभार्थियों से समय पर पहुँचकर सेवा का लाभ लेने की अपील की गई है।

मीरा भायंदर में विद्यार्थियों के लिए अध्ययन केंद्र का उद्घाटन

-तारकेश्वर पांडे

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा भायंदर मंत्री ने कहा कि जब ये तीन चीजें मिल जाएं तो विद्यार्थियों की आँखो में सपना, उनके हाथों में कड़ी मेहनत और समाज द्वारा दी गई सही दिशा तो कोई भी सपना साकार हो जाता है। इसी लक्ष्य के साथ आज मीरा-भायंदर शहर में शिक्षा का एक नया युग शुरू हुआ। विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव रखना ही सच्ची समाज सेवा है, ऐसा विश्वास व्यक्त करते हुए, महाराष्ट्र राज्य परिवहन मंत्री और धाराशिव ज़िले के पालकमंत्री प्रताप इंदिराबाई बाबूराव सरनाईक ने आज वरिष्ठ चित्रकार पद्मश्री वासुदेव कामत की उपस्थिति में हिंदू हृदय सम्राट स्वर्गीय बालासाहेब ठाकरे कलादलन में एक अत्याधुनिक अध्ययन केंद्र का उद्घाटन किया। इस अध्ययन केंद्र में विद्यार्थियों के लिए आधुनिक अध्ययन सुविधाए, एक विस्तृत पुस्तकालय, एक डिजिटल लाइब्रेरी और एक मार्गदर्शन केंद्र उपलब्ध कराया गया है। यह केंद्र UPSC, MPSC, IAS, IPS, IRS, IFS, IFOS जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों के लिए एक प्रेरणा बनेगा। इस अध्ययन केंद्र को शुरू करने के पीछे एक ही उद्देश्य है कि मीरा-भायंदर का हर होशियार और महत्वाकांक्षी विद्यार्थी प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त कर सके। आइए अपने शहर को राज्य और देश में चमकाएं । इस पहल ने मीरा-भायंदर में एक नई ऊर्जा का संचार किया है और यह शहर अब नॉलेज सिटी' बनने की ओर अग्रसर है। इस अवसर पर मंत्री प्रताप सरनाईक ने छात्रों से बातचीत की और कहा कि अगर छात्रों के हाथों में किताबें और आँखो में सपने हों, तो शहर का भविष्य उज्ज्वल होगा। मुझे विश्वास है कि मीरा-भायंदर का हर इच्छुक छात्र इस अध्ययन केंद्र से पढ़कर न केवल अपना बल्कि अपने शहर का नाम पूरे महाराष्ट्र में रोशन करेगा। पहले मीरा-भायंदर के छात्रों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए दूर जाना पड़ता था, लेकिन अब यह अध्ययन केंद्र यात्रा के समय और आर्थिक तनाव, दोनों को कम करेगा। शांत, स्वच्छ और अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित यह केंद्र छात्रों को एकाग्र मन से अध्ययन करने के लिए एक आदर्श वातावरण प्रदान करेगा। उद्घाटन समारोह में विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे बड़ी संख्या में छात्र उपस्थित थे। वरिष्ठ चित्रकार पद्मश्री वासुदेव कामत ने भी उपस्थित छात्रों का मार्गदर्शन किया। मीरा-भायंदर शहर में यह पहल छात्रों की प्रगति में एक नया अध्याय शुरू करेगी और शहर ज्ञान, प्रगति और प्रतिस्पर्धा की दिशा में एक मजबूत कदम बढ़ाएगा।

20 नवंबर को नवघर झील में विठु माउली की प्रतिमा का अनावरण मंत्री प्रताप सरनाईक

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)।। मीरा-भायंदर शहर के समग्र विकास हेतु एकनाथ शिंदे के मुख्यमंत्री के कार्यकाल में मीरा-भायंदर शहर के विकास के लिए 1800 करोड़ रुपये और सड़कों के विकास के लिए 900 करोड़ रुपये का फंड स्वीकृत किया गया था। इस फंड के माध्यम से चल रहे विकास कार्यों की समीक्षा और वर्तमान स्थिति जानने के लिए आज महाराष्ट्र राज्य के परिवहन मंत्री और धाराशिव जिले के पालक मंत्री प्रताप इंदिराबाई बाबूराव सरनाईक की अध्यक्षता में मीरा भायंदर महानगरपालिका आयुक्त राधाबिनोद शर्मा और संबंधित विषयों के अधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक हुई। इस बैठक के दौरान, मंत्री प्रताप सरनाईक ने शहर के समग्र विकास के लिए तीव्र और पारदर्शी योजना बनाने के निर्देश दिए, साथ ही नागरिकों के हितों से जुड़ी हर परियोजना को प्राथमिकता से पूरा करने के निर्देश भी दिए।

बैठक के दौरान, हिंदू हृदय सम्राट स्वर्गीय बालासाहेब ठाकरे आर्ट गैलरी की वर्तमान स्थिति की समीक्षा की गई और स्पष्ट किया गया कि हिंदू हृदय सम्राट स्वर्गीय बालासाहेब ठाकरे की पुण्यतिथि के अवसर पर यह आर्ट गैलरी आम जनता के लिए खोली जाएगी। इसके साथ ही, मंत्री सरनाईक ने सीमित निधि के बावजूद मनपा द्वारा किए गए उत्कृष्ट कार्यों के लिए मनपा आयुक्त और अधिकारियों की प्रशंसा की। इसके साथ ही, शिवश्रुति और खादी किनारा विकास (स्काईवॉक परियोजना) पर भी चर्चा और समीक्षा की गई। बैठक के दौरान, हिंदू हृदय सम्राट स्वर्गीय बालासाहेब ठाकरे आर्ट गैलरी की वर्तमान स्थिति की समीक्षा की गई और स्पष्ट किया गया कि हिंदू हृदय सम्राट स्वर्गीय बालासाहेब ठाकरे की पुण्यतिथि के अवसर पर यह आर्ट गैलरी आम जनता के लिए खोली जाएगी। इसके साथ ही, मंत्री सरनाईक ने सीमित निधि के बावजूद मनपा द्वारा किए गए उत्कृष्ट कार्यों के लिए मनपा आयुक्त और अधिकारियों की प्रशंसा की। इसके साथ ही शिवश्रुति और खादी किनारा विकास (स्काईवॉक परियोजना) पर भी चर्चा और समीक्षा की गई। नगर नियोजन विभाग से एक विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने और आगे की योजना बनाने के निर्देश दिए गए। इस अवसर पर मंत्री सरनाईक ने कहा, शिवश्रुति और खाड़ी तट मीरा भायंदर का नया चेहरा होंगे; यहां पर्यटन, संस्कृति और पर्यावरण एक साथ आएंगे। उत्तान कब्रिस्तान परियोजना के संबंध में विस्तृत चर्चा हुई। कब्रिस्तान मार्ग की अत्यंत खराब स्थिति को देखते हुए, मीरा-भायंदर मनपा नगर अभियंता दीपक खम्बित को तुरंत सड़क की मरम्मत करने का आदेश दिया गया। यह सर्वधर्म कब्रिस्तान सुंदरता और संवेदनशीलता का संगम होगा। मंत्री सरनाईक ने इस अवसर पर स्पष्ट निर्देश दिए कि योजना को पेड़ों को नुकसान पहुंचाए बिना पर्यावरण के अनुकूल तरीके से लागू किया जाना चाहिए। परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक की पहल पर मीरा-भायंदर शहर में विभिन्न भाषाई भवन बनाए जा रहे हैं। यह घोषणा की गई कि हिंदी, मैथिली, बंगाली और दक्षिण भारतीय भवन, महाराणा प्रताप भवन का उद्घाटन 10 से 12 दिसंबर के बीच किया जाएगा और हिंदी माध्यम स्कूल का काम शुरू करने के आदेश दिए गए। साथ ही, इस बैठक के दौरान प्रमोद महाजन कलादलन, घोड़बंदर किला और आरटीओ भवन के बारे में चर्चा हुई। बैठक के अंत में सभी विभागों को स्पष्ट समय सीमा और जिम्मेदारियां दी गईं। मंत्री सरनाईक ने जे.पी. इंफ्रा और कनकिया रोड पर जॉगिंग ट्रक और साइकिलिंग ट्रक को 12 दिसंबर तक आम जनता के लिए उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। यह निर्णय लिया गया। मंत्री सरनाईक ने जे.पी. इंफ्रा और कनकिया रोड पर जॉगिंग ट्रक और साइकलिंग ट्रक 12 दिसंबर तक आम जनता के लिए उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए। मंत्री सरनाईक ने स्पष्ट बयान दिया कि मीरा-भायंदर शहर में बनने वाले आरटीओ कार्यालय भवन की समीक्षा के बाद दिसंबर के अंत तक उसका उद्घाटन किया जाएगा। इसके अलावा

जल माफियाओं के खिलाफ तुरंत मामला दर्ज करें और गरीबों को उनके हक का पानी मिलेगा। ढाचकुल पाड़ा क्षेत्र में हुए गंभीर दंगों के बाद, मंत्री सरनाईक ने पुलिस अधिकारियों, नगर आयुक्त और जिला कलेक्टर को ढाचकुलपाड़ा क्षेत्र की पट्टी में 9 अवैध बोरवेलों पर अवैध रूप से कब्जा जमाए बैठे भू-माफियाओं के खिलाफ तुरंत जांच कर मामला दर्ज करने के निर्देश दिए। साथ ही, संबंधित नगर निगम अधिकारियों को अगले दो दिनों में उन बोरवेलों पर बिना सील किए हैंडपंप लगाने के निर्देश दिए गए हैं। गरीबों के हक के पानी पर माफियाओं का राज नहीं चलेगा। हम सरकारी पानी बेचने वालों को नहीं बख्शेंगे। यह बात मंत्री सरनाईक ने बैठक के दौरान स्पष्ट रूप से कही। विठु मौली की मूर्ति 20 नवंबर को नवघर झील और 10 दिसंबर को जरिमरी झील में स्थापित की जाएगी।

ठाणे के उपवन तालाब पर स्थापित विठु मौली की 51 फुट ऊँची प्रतिमा की तरह, मीरा-भायंदर शहर में दो अन्य स्थानों पर भी विठु मौली की भव्य प्रतिमा स्थापित की जाएगी। बैठक के दौरान मंत्री सरनाईक ने घोषणा की कि प्रतिमा का अनावरण समारोह 20 नवंबर को नवघर तालाब और 10 दिसंबर को काशीमीरा के जरिमारी तालाब पर होगा।मीरा-भायंदर शहर में धर्मवीर छत्रपति संभाजी महाराज की भव्य प्रतिमा स्थापित की जाएगी!

मीरा-भायंदर महानगरपालिका सीमा में नवघर आरक्षण क्रमांक 299 पर धर्मवीर छत्रपति संभाजी महाराज की भव्य प्रतिमा स्थापित करने की मांग राज्य सरकार से की गई थी और राज्य सरकार ने इस मांग को मंजूरी दे दी है और अब जल्द ही धर्मवीर छत्रपति संभाजी महाराज की भव्य प्रतिमा स्थापित की जाएगी। मंत्री प्रताप सरनाईक ने कहा कि मीरा-भायंदर महानगरपालिका सीमा में धर्मवीर छत्रपति संभाजी महाराज की यह पहली और सबसे भव्य प्रतिमा होगी।

इस अवसर पर बोलते हुए, मंत्री सरनाईक ने कहा कि मीरा-भायंदर महाराष्ट्र के शहरी विकास में एक आदर्श मॉडल बनना चाहिए। शहर की हर परियोजना जनता के लाभ के लिए है। विकास में धन, प्रशासन या समय की कोई समस्या नहीं होगी। नागरिकों का विश्वास और संतुष्टि हमारा सर्वोच्च लक्ष्य है। हर योजना प्रभावी रूप से जनता के द्वार तक पहुँचनी चाहिए। काम में गुणवत्ता और पारदर्शिता ही असली पहचान होनी चाहिए। इस शहर के जनप्रतिनिधि होने के नाते, इस शहर का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित करना मेरी ज़िम्मेदारी है। मीरा-भायंदर शहर के सर्वांगीण विकास के जो सपने मैंने जनता को दिखाए हैं, वे साकार होने की राह पर हैं। जल्द ही पूरे हो चुके विकास कार्यों का लोकार्पण समारोह आयोजित किया जाएगा और आम जनता इसका आनंद ले सकेगी।

बैठक में मीरा-भायंदर मनपा आयुक्त और संबंधित विषयों के नगर पालिका अधिकारी, विषयों से संबंधित ठेकेदार, एमएमआरडीए अधिकारी, साथ ही मीरा-भायंदर पुलिस अधिकारी, आरटीओ पुलिस अधिकारी और जिला कलेक्टर, तहसीलदार उपस्थित थे।